सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 177 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार 1 अगस्त, 2025
मूल्य ₹ 3/-

बड़ा वेतन और छोटी जिम्मेदारी शायद ही कभी एक साथ पाए जाते हैं।
-नेपोलियन हिल

करुण ने आठ साल बाद खेली 50+ रन... 7 | ट्रंप का टैरिफ टेरर, भारत पर... 3 | 'जिन स्कूलों के बूथों पर सपा... 2

नेता प्रतिपक्ष की मोदी सरकार व ईसी को ललकार

वोट चुराने वाले देशद्रोहियों को छोड़ेंगे नहीं : राहुल गांधी

» सांसद बोले - चुनाव आयोग वोट चोरी में शामिल

» एसआईआर को लेकर चुनाव आयोग व भाजपा पर फिर बरसे राहुल

» नेता प्रतिपक्ष बोले- एससी, एसटी, ओबीसी और अल्पसंख्यक भाइयों-बहनों के वोट चुराए जा रहे हैं

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। चुनाव आयोग द्वारा आज विशेष पुनरीक्षण के तहत मतदाता सूची का मसौदा जारी करने के एलान के साथ ही सियासी माहौल भी गरमा गया है। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बिहार में एसआईआर अभ्यास को लेकर फिर से चुनाव आयोग पर निशाना साधा है।

उन्होंने कहा कि हमारे पास स्पष्ट सबूत हैं कि चुनाव आयोग वोट चोरी में शामिल है। उन्होंने कहा कि सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि चुनाव आयोग में जो भी इस अभ्यास में शामिल है, ऊपर से नीचे तक, हम आपको नहीं छोड़ेंगे। आप भारत के खिलाफ काम कर रहे हैं और यह देशद्रोह से कम नहीं है। आप जहां कहीं भी हों, भले ही आप सेवानिवृत्त हों, हम आपको ढूंढ लेंगे। शुक्रवार को लोकसभा की कार्यवाही हंगामे के साथ शुरू हुई क्योंकि विपक्ष ने बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूचियों के चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सदन की कार्यवाही शुरू होने के कुछ ही मिनटों बाद स्थगित कर दी।

हमारे पास एटम बम है

राहुल गांधी ने कहा कि हमारे पास इस बात के स्पष्ट सबूत हैं कि चुनाव आयोग वोट चोरी में शामिल है। जल्द ही पूरे देश को इसके बारे में पता चल जाएगा कि चुनाव आयोग वोट चोरी करा रहा है। हमें मध्य प्रदेश, लोकसभा चुनाव में हमें शक था और महाराष्ट्र में वो थोड़ा आगे गया। एक करोड़ मतदाता जोड़े गए थे। इसके बाद हमने अपनी ही जांच की और उस जांच में जो मिला है, वो एटम बम है।

चुनाव आयोग ने नहीं की मदद, खुद कराई जांच

हमारे पास पूरे सबूत हैं कि चुनाव आयोग इस पूरे खेल में शामिल है। यह मैं ऐसे ही नहीं कह रहा हूं हमारे पास पुख्ता तथ्य हैं। चुनाव आयोग ये वोट चोरी भारतीय जनता पार्टी के लिए करा रहा है। हमें कई राज्यों में ऐसा लगा कि वोट चोरी हो रहे हैं। हमने तय किया कि चुनाव आयोग तो मदद कर नहीं रहा है इसलिए अब खुद ही इंवेस्टिगेशन करना पड़ेगा और हमने अपनी जांच की।

इंडिया गठबंधन जनाधिकार की लड़ाई संसद से सड़क तक लड़ेगा

इससे पहले राहुल ने कहा था कि हिंदुस्तान में इलेक्शन चोरी किए जा रहे हैं, ये सच्चाई है! महाराष्ट्र में कैसे मैच फिक्सिंग हुई, हमने सबको दिखाया। कर्नाटक की एक लोकसभा सीट की जांच की - वहां बड़े पैमाने पर वोट चोरी मिली, जल्द जनता के सामने लाएंगे। उन्होंने कहा था कि बिहार में एसआईआर के नाम पर ,एससी, एसटी, ओबीसी और अल्पसंख्यक भाइयों-बहनों के वोट चुराए जा रहे हैं। हम चुप नहीं बैठेंगे। इंडिया गठबंधन जन अधिकार की लड़ाई संसद से सड़क तक लड़ेगा।

बिहार की मतदाता सूची का मसौदा प्रकाशित

चुनाव आयोग आज बिहार की मतदाता सूची का मसौदा प्रकाशित कर दिया। भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने मतदाताओं को दिए एक संदेश में कहा कि बिहार की मतदाता सूची का मसौदा शुक्रवार, 1 अगस्त को https://voters.eci.gov.in/download पर प्रकाशित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बिहार के सभी 38 जिला निर्वाचन अधिकारियों (डीईओ) द्वारा बिहार के सभी 38 जिलों में सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को मौतिक और डिजिटल प्रतियाँ भी दी जाएँगी। इस बीच, केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल गोवा राज्य के विधानसभा क्षेत्रों में अनुसूचित जनजातियों के प्रतिनिधित्व का पुनर्समायोजन विधेयक, 2024 को आगे विचार और पारित करने के लिए पेश करने वाले हैं।

झारखंड सरकार गहन पुनरीक्षण के खिलाफ लायेगी प्रस्ताव

झारखंड में सत्तारूढ़ 'इंडिया' गठबंधन के विधायकों ने बृहस्पतिवार को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ मानसून सत्र के दौरान विधानसभा में प्रस्ताव पारित करने का फैसला किया।गठबंधन ने सत्र के दौरान विपक्ष के सवालों का तार्किक जवाब देने का भी फैसला किया। मानसून सत्र शुक्रवार से शुरू होकर सात अगस्त को समाप्त होगा और इसमें पांच कार्यदिवस होंगे। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बैठक की अध्यक्षता करने के बाद संवाददाताओं से कहा, बैठक के दौरान बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण मुद्दे सहित कई मुद्दों पर चर्चा हुई। 'इंडिया' गठबंधन निर्वाचन आयोग के फैसले के खिलाफ है और हम भी इसका विरोध करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने केंद्र द्वारा संवैधानिक संस्थाओं के 'दुरुपयोग' के मुद्दे पर भी चर्चा की। संसदीय कार्य मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि उन्होंने सत्र के दौरान विधानसभा में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के खिलाफ प्रस्ताव पारित करने का फैसला किया है।

9 सितंबर को उपराष्ट्रपति पद का चुनाव, 21 अगस्त तक नामांकन की लास्ट डेट

जगदीप धनखड़ के पद से इस्तीफा देने के कुछ दिनों बाद, चुनाव आयोग ने शुक्रवार को उपराष्ट्रपति पद के चुनाव कार्यक्रम की घोषणा की। चुनाव आयोग द्वारा जारी एक अधिसूचना में कहा गया है कि 17वें उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान 9 सितंबर को होगा। अधिसूचना में कहा गया है कि चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 21 अगस्त, गुरुवार है, जबकि उम्मीदवार अधिकतम 25 अगस्त तक अपना नाम वापस ले सकते हैं। 22 जुलाई को निवर्तमान अध्यक्ष जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के बाद यह चुनाव आवश्यक हो गया था। चुनाव आयोग की अधिसूचना जारी होने की तिथि- 7 अगस्त, 2025 (गुरुवार),नामांकन की अंतिम तिथि- 21 अगस्त, 2025 (गुरुवार),नामांकन की जाँच की तिथि- 22 अगस्त, 2025 (शुक्रवार),नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि- 25 अगस्त, 2025 (सोमवार), मतदान की तिथि (यदि आवश्यक हो)- 9 सितंबर, 2025 (मंगलवार), मतगणना की तिथि (यदि आवश्यक हो)- 9 सितंबर, 2025 (मंगलवार) यह घोषणा जगदीप धनखड़ के 21 जुलाई को उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा देने के बाद हुई है, जिससे उनके उत्तराधिकारी के लिए प्रतिस्पर्धा शुरू हो गई है। 74 वर्षीय धनखड़ ने अगस्त 2022 में पदभार ग्रहण किया था और उनका कार्यकाल 2027 तक था। धनखड़ के अचानक इस्तीफे के बाद राज्यसभा में सरकार के लिए एक दिन का चौंकाने वाला घटनाक्रम सामने आया, जब इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश यशवंत वर्मा को हटाने के लिए विपक्ष द्वारा प्रायोजित एक प्रस्ताव का नोटिस उन्हें सौंपा गया और उन्होंने सदन में इसका उल्लेख किया।

'जिन स्कूलों के बूथों पर सपा के वोट पड़ते थे वे ही स्कूल किए गए बंद'

सपा प्रमुख अखिलेश यादव बोले- विलय का फैसला पूरी तरह से राजनीतिक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार करारा वार किया है। सपा प्रमुख ने आरोप लगाया है कि भाजपा सरकार का प्राथमिक स्कूलों को बंद करने का फैसला राजनीतिक है। केवल वही स्कूल बंद किए गए हैं, जहां पर वोट पड़ते थे, और समाजवादी पार्टी चुनाव में जीतती थी।

अखिलेश यादव ने संसद परिसर में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि भाजपा सरकार गरीबों से शिक्षा का अधिकार छीन रही है। समाजवादी सरकार में लखनऊ में संस्कृति स्कूल बनाया गया था लेकिन भाजपा सरकार ने उसे बंद कर दिया। आरोप लगाया कि भाजपा का ध्यान शिक्षा पर नहीं है बल्कि वोट कहां पड़ेगा, ध्यान उस पर है।

अखिलेश ने कहा कि भाजपा सरकार पीडीए के लोगों के साथ भेदभाव कर रही है। सपा प्रमुख ने कहा कि महंगाई बढ़ रही है। रोजगार नहीं है। सरकार नौकरी नहीं दे रही है। किसानों की आय दोगुनी नहीं हुई। खाद नहीं मिल रही है। उन्होंने कहा कि सरकार अर्थव्यवस्था नहीं सुधारना चाहती है। देश को अर्थव्यवस्था नहीं भावनाओं से चला रही है। हर साल लाखों लोग देश छोड़कर दूसरे देशों में चले जा रहे है। कई लोग बैंकों का पैसा लेकर भाग गये।

ट्रंप के फैसले को सरकार गंभीरता से देखे

अमेरिका द्वारा भारत से व्यापार पर टैरिफ लगाए जाने पर कहा कि यह सरकार पिछले 11 साल से अमेरिका और वहां के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ दोस्ती बढ़ा रही है लेकिन आज देश को क्या दिन देखने पड़ रहे है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने भारत के बारे में कैसे-कैसे शब्दों का प्रयोग किया है। अगर व्यापार पर इस तरह की पाबंदियां लगेगी और रुकावटें आएंगी तो अर्थव्यवस्था पर क्या असर पड़ेगा सरकार को इस पर कुछ कहना चाहिए।

अपने आश्वासन पर खरी उतरे सरकार : मायावती

अमेरिकी टैरिफ को लेकर बसपा प्रमुख का केंद्र सरकार पर निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अमेरिकी टैरिफ को लेकर बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने केंद्र सरकार को निशाने पर लिया। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि उम्मीद है कि अमेरिकी टैरिफ को लेकर केंद्र सरकार अपने आश्वासन पर खरी उतरेगी।

बसपा सुप्रीमो ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि 'मित्र' देश बताने के बावजूद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा भारतीय आयात पर 25 प्रतिशत शुल्क तथा रूस से तेल आयात करने पर पेनाल्टी लगाने की घोषणा की गई है। इस नई चुनौती को केंद्र सरकार अवसर एवं आत्मनिर्भरता में बदलकर देश की अर्थव्यवस्था को प्रभावित नहीं होने देगी। इसको लेकर देश को दिए गए इस आश्वासन पर कि किसान, छोटे व मंझोले उद्योग और राष्ट्रहित से कोई समझौता नहीं करेगी, इस पर खरी उतरकर दिखाएगी। उन्होंने आगे कहा कि भारत गरीबों और मेहनतकश लोगों का देश है। हर हाथ को काम देने के साथ देश को आगे बढ़ाने की नीति बनाकर उस पर सही से अमल होना चाहिए।

स्कूल बंद के फैसले पर सरकार का आंशिक बदलाव : संजय सिंह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में स्कूल विलय पर सरकार ने 50 बच्चों की संख्या या फिर एक किमी से ज्यादा दूर वाले स्कूलों के विलय पर रोक लगा दी है। सरकार निर्णय पर आप सांसद संजय सिंह ने कहा कि लंबे समय से बच्चों का स्कूल बचाने के लिए आंदोलनरत आम आदमी पार्टी को आंशिक जीत मिली है।

सांसद बोले- लड़ाई अभी जारी है

बच्चों के स्कूल बंदी के मामले में योगी सरकार ने कुछ बदलाव किए हैं। इससे कई स्कूल बंद होने से बच जाएंगे। लेकिन, अभी भी बड़ी संख्या में स्कूल बंद होने जा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि योगी सरकार का बैकफुट पर आना यूपी के बच्चों, उनके माता-पिता और आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं की आंशिक जीत है। इस आंशिक जीत के लिए मैं उन बच्चों और उनके अभिभावकों को हृदय की गहराइयों से धन्यवाद देना चाहता हूं जिनके स्कूल अब शायद बंद नहीं होंगे। लेकिन, बच्चों के सभी स्कूल बचाने के लिए आंदोलन जारी रहेगा। बच्चों का स्कूल बचाने के लिए आम आदमी पार्टी दो अगस्त को लखनऊ में स्कूल बचाओ आंदोलन करेगी। आप सांसद ने कहा कि स्कूलों को विलय करने का प्रदेश सरकार का यह फैसला बहुत ही खतरनाक था। मैं स्वयं ऐसे तमाम स्कूलों में गया, जहां के स्कूल तीन-तीन किलोमीटर दूर कर दिए गए थे। मैंने वहां अभिभावकों के साथ पदयात्रा भी की। इस दौरान देखा गया कि रास्ते में जंगल और जंगली जानवर जैसे बंदर आदि का भी खतरा मौजूद है। आप सांसद ने आगे कहा कि बच्चों के भविष्य को बचाने और स्कूलों को बंद करने से रोकने की इस लड़ाई में आप ने सड़क पर उतर कर भी संघर्ष किया। इस विषय पर सुप्रीम कोर्ट में भी बच्चों का स्कूल बंद न करने की गुहार लगाई। जिन गांवों में स्कूल बंद किया जा रहे थे, वहां के लोगों, बच्चों और उनके अभिभावकों की ओर से एक ही आवाज उठ रही थी कि इन मासूम नौनिहालों के स्कूल बंद ना किया जाए।

छेड़छाड़ के आरोप में मंत्री असीम अरुण का निजी सचिव गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी सरकार में मंत्री असीम अरुण से एक महिला कर्मचारी ने उनके निजी सचिव जय किशन सिंह पर छेड़छाड़ का आरोप लगाया। महिला ने रोते हुए आपबीती बताई। महिला की पीड़ा सुनने के बाद मंत्री ने गोमतीनगर पुलिस को बुलाकर आरोपी जय किशन सिंह को थाने भिजवा दिया।

पुलिस ने महिला की तहरीर पर छेड़छाड़ की एफआईआर दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। गोमतीनगर स्थित भागीदारी भवन के एक सरकारी दफ्तर में महिला आउट सोर्सिंग पर काम करती है। बृहस्पतिवार को मंत्री अपने दफ्तर में मौजूद थे। इसी बीच महिला फरियाद लेकर पहुंची। महिला ने रोते हुए बताया कि निजी सचिव अक्सर उसे अपने कमरे में बुलाते हैं। इसके बाद आए दिन छेड़छाड़ करते हैं। विरोध पर नौकरी से निकालने की धमकी देते हैं। मंत्री के पूछने पर महिला ने विस्तार से पूरी बात बताई। महिला की पीड़ा सुनने के बाद मंत्री ने गोमतीनगर पुलिस को बुलाकर आरोपी जय किशन सिंह को थाने भिजवा दिया।

किसी ढोंगी पर विश्वास मत करो जो बच्चों की तरह रोने लगे : तेज प्रताप

महुआ में शुरू किया प्रचार बोले- मेरी रगों में लालू का खून

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में विधानसभा चुनाव को लेकर तेज प्रताप यादव एक्शन में हैं। उन्होंने महुआ विधानसभा सीट पर प्रचार शुरू कर दिया है। तेज प्रताप ने टीम तेज प्रताप वैशाली जिले की महुआ विधानसभा सीट से निर्दलीय चुनाव लड़ने का ऐलान किया था। फिलहाल महुआ से इस समय राजद के ही मुकेश रौशन विधायक हैं।

तेजप्रताप यादव ने कहा कि आज से महुआ के लिए मेरा चुनाव प्रचार शुरू हो गया है। उन्होंने कहा कि किसी ढोंगी पर विश्वास मत करो जो बच्चों की तरह रोने लगे। मेरी रगों में लालू यादव का खून है। अगर मुझे वोट दोगे तो लालू यादव को जिता दोगे... मुझे वोट दोगे तो बिजली मुफ्त मिलेगी। इसके साथ ही तेज प्रताप ने तेजस्वी यादव पर भी बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि अगर तेजस्वी यादव कहते हैं कि वो कृष्ण हैं और मैं अर्जुन, तो उन्हें बांसुरी बजाकर ये साबित करना चाहिए। तेज प्रताप ने एक्स पर लिखा कि आज महुआ विधानसभा क्षेत्र के हरपुरा ओसती में जन संवाद कार्यक्रम में हज़ारों की संख्या आये हुए जनता-जनार्दन को संबोधित किया। महुआ को मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल खोलने के बाद अब महुआ को महुआ इंजीनियरिंग कॉलेज खोलवाने का काम करूंगा। साथी ही महुआ के हमारे युवा साथियों के लिए एक युथ क्लब और एक स्टेडिम भी इसबार चुनाव जीतने के बाद खोला जाएगा।

वहीं, बिहार में इस वर्ष के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' ने जनसंपर्क कार्यक्रम की घोषणा की जिसमें राहुल गांधी और तेजस्वी यादव समेत ''राष्ट्रीय स्तर'' के नेता अगस्त के दूसरे सप्ताह से जनसभाएं करेंगे। आगामी चुनाव के लिए गठबंधन की समन्वय समिति के प्रमुख यादव ने एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया।

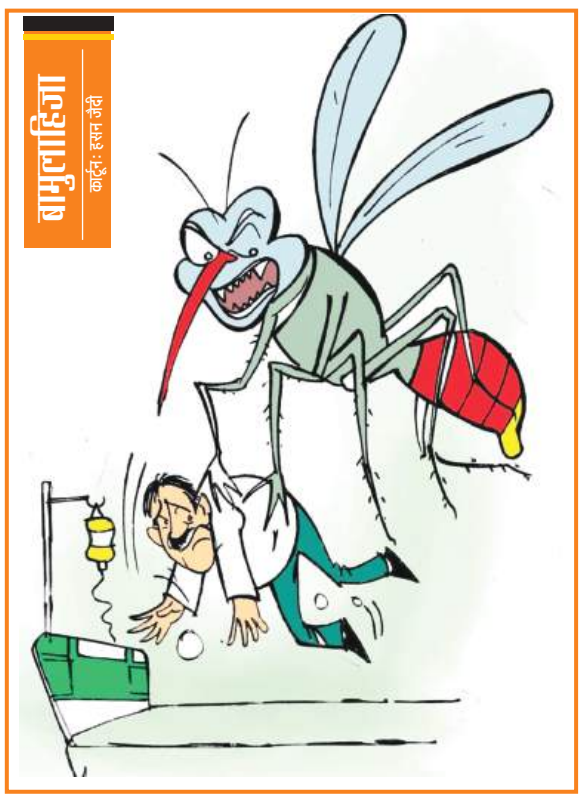

कश्मीर अब भी पर्यटकों से खाली नहीं : उमर अब्दुल्ला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने एक बार फिर पहलगाम हमले और जम्मू कश्मीर में उसके असर पर अपनी राय रखी है। गुजरात दौरे पर गए उमर अब्दुल्ला ने कहा कि भले ही 22 अप्रैल को हुए पहलगाम हमले ने पर्यटन उद्योग पर असर डाला हो, लेकिन कश्मीर अभी भी पर्यटकों से खाली नहीं है। वे जम्मू-कश्मीर के पर्यटन को फिर से सक्रिय करने के मकसद से गुजरात दौरे पर हैं।

इस दौरान उन्होंने केवड़िया में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी और नर्मदा बांध का दौरा किया और अहमदाबाद के साबरमती रिवरफ्रंट और अटल ब्रिज पर सुबह की सैर करते नजर आए। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने स्वीकार किया कि 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद राज्य में पर्यटन को तगड़ा झटका लगा। इस हमले में गुजरात,

महाराष्ट्र और कर्नाटक के 26 पर्यटकों की मौत हुई थी, जिससे घाटी में डर का माहौल बन गया था। उन्होंने कहा, हम इस सच्चाई से आंखें नहीं मूंद सकते कि उस हमले ने व्यस्त पर्यटन सीजन की शुरुआत में सब कुछ बदल दिया था। लोग रातोंरात कश्मीर छोड़ गए थे।

उन्होंने कहा, लाखों श्रद्धालु माता वैष्णो देवी और अमरनाथ यात्रा के लिए कश्मीर पहुंच चुके हैं। हम गुजरात इसलिए आए हैं ताकि यह संदेश दे सकें कि कश्मीर अब भी एक सुरक्षित और सुंदर पर्यटन स्थल है।

ट्रंप का टैरिफ टेरर, भारत पर घातक असर

संसद से लेकर सड़क तक विपक्ष का एनडीए सरकार पर प्रहार

- एलान के बाद भारत में घमासान
- नेता प्रतिपक्ष बोले- भारतीय अर्थव्यवस्था बर्बाद हुई
- आर्थिक विशेषज्ञ बोले- यह टैरिफ आने वाले समय में निर्यात पर पड़ेगा भारी
- राज्यसभा व लोकसभा में जोरदार हंगामा जारी रहा
- कांग्रेस समेत पूरे विपक्ष ने पीएम से पूछे तीखे सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत पर 25 फीसद ट्रैरिफ लगाने के ऐलान के बाद देश की सियासत गर्मा गई है। संसद से लेकर सड़क तक विपक्ष ने मोदी सरकार को निशाने पर ले लिया है। कांग्रेस समेत तमाम विपक्षी दल इस मुद्दे को लेकर मोदी सरकार पर सवाल उठाए हैं।

उधर इस फैसले का गंभीर प्रभाव भारत की अर्थव्यवस्था पर भी पड़ेगा। आर्थिक विशेषज्ञों का कहना है सबसे ज्याद असर निर्यात पर पड़ेगा। आने वाले समय में इसका असर दिखाई देगा। ट्रंप के फैसले का असर दूसरे दिन ही दिखाई देने लगा। भारत के शेयर बाजार लुढ़क गए। वहीं सियासी रस्साकसी में मानसून सत्र के दूसरे हफ्ते के चौथे दिन संसद के दोनों सदनों में अमेरिका की ओर से भारत पर लगाए गए टैरिफ पर जोरदार हंगामा हुआ। हंगामा इतना बढ़ गया राज्य सभा व लोक सभा की कार्यवाही स्थगित कर दी गई। वहीं इस बीच राज्यसभा में कई अहम विधेयक भी पेश किए गए। इसमें मणिपुर में राष्ट्रपति शासन बढ़ाने की मांग वाला प्रस्ताव और कैरेज ऑफ गुड्स बॉय सी बिल 2025 शामिल है।

दिन पर दिन भारत का अपमान कर रहे ट्रंप : संदोष कुमार

सीपीआई (एम) सांसद पी संदोष कुमार ने कहा कि ट्रंप सरकार का यह नया फैसला वास्तव में चौंकाने वाला है। भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता चल रही है। अचानक ट्रंप प्रशासन द्वारा इसकी घोषणा की गई। अगर आप ठीक से विश्लेषण करें तो ट्रंप के अमेरिका का राष्ट्रपति बनने के बाद भारत दिन-प्रतिदिन अपमानित हो रहा है। अमेरिका के किसी भी राष्ट्रपति ने हमारे देश का इस तरह अपमान नहीं किया। इससे भी अधिक चिंताजनक बात यह है कि सरकार की प्रतिक्रिया बहुत नरम है। ट्रंप के खिलाफ वे एक शब्द भी नहीं बोल रहे हैं। यही समस्या है।

भारत अपने हित में काम करेगा, दबाव में नहीं आएगा : संजय जायसवाल

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता और सांसद संजय जायसवाल ने इसकी तुलना तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में भारत के 1998 के परमाणु परीक्षणों के बाद संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों से की। भाजपा नेता संजय जायसवाल ने कहा कि भारत ने हमेशा अपने संप्रभु हित में काम किया है और बाहरी दबाव की परवाह किए बिना ऐसा करता रहेगा। जायसवाल ने कहा कि जब अटल बिहारी वाजपेयी जी ने परमाणु विस्फोट किया था, तब अमेरिका ने भी यही किया था। उसके बाद,

गैर-भारतीय लोगों का इतना बड़ा समर्थन मिला कि डॉलर का मूल्य गिर गया। किसी तीसरे देश को किसी अन्य देश के साथ हमारे संबंधों की प्रकृति पर टिप्पणी करने की कोई आवश्यकता नहीं है। हम हर देश के साथ अच्छे संबंध बनाए रखना चाहते हैं और भविष्य में भी ऐसा करते रहेंगे। इसी तरह की राय व्यक्त करते हुए, पश्चिम बंगाल भाजपा अध्यक्ष और सांसद समिक भट्टाचार्य ने अमेरिकी राष्ट्रपति के कदम की आलोचना करते हुए कहा कि भारत पर दबाव की रणनीति से दबाव नहीं डाला जा सकता।

भाजपा ने हमारी आर्थिक, रक्षा और विदेश नीति को किया बर्बाद : राहुल गांधी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के डेड इकोनॉमी वाले बयान पर देश की सियासत तेज हो गई है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि हाँ, वह सही कह रहे हैं। प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री को छोड़कर सभी जानते हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था एक मृत अर्थव्यवस्था है। मुझे खुशी है कि राष्ट्रपति ट्रम्प ने एक तथ्य बताया है... पूरी दुनिया जानती है कि भारतीय अर्थव्यवस्था एक मृत अर्थव्यवस्था है। भाजपा ने अडानी की मदद के लिए अर्थव्यवस्था को बर्बाद कर दिया है। राहुल गांधी ने कहा कि विदेश मंत्री भाषण देते हैं और कहते हैं कि हमारी विदेश नीति बहुत अच्छी है। एक तरफ अमेरिका आपको गाली दे रहा है, दूसरी तरफ चीन आपके पीछे पड़ा है। जब आप अपना प्रतिनिधिमंडल दुनिया में भेजते हैं, तो कोई भी देश पाकिस्तान की निंदा नहीं करता। वे इस देश को कैसे चला रहे हैं? पूरी

तरह से भ्रम की स्थिति है। कांग्रेस नेता ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी सिर्फ़ एक व्यक्ति के लिए काम करते हैं। यह (भारत-अमेरिका व्यापार) समझौता होगा, और प्रधानमंत्री मोदी वही करेंगे जो ट्रंप कहेंगे। आज भारत के सामने मुख्य मुद्दा यह है कि सरकार ने हमारी आर्थिक, रक्षा और विदेश नीति को बर्बाद कर दिया है। वे इस देश को बर्बाद कर रहे हैं।

कई विपक्षी सांसदों ने एसआईआर के खिलाफ भी प्रदर्शन किया

विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) के कई घटक दलों के सांसदों ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का विरोध करते हुए बृहस्पतिवार को संसद भवन परिसर में प्रदर्शन किया। संसद के 'मकर द्वार' के निकट आयोजित इस विरोध प्रदर्शन में कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा और कई अन्य दलों के सांसद शामिल हुए। विपक्षी सांसदों ने एक बड़ा बैनर भी ले रखा था, जिस पर 'एसआईआर- लोकतंत्र पर वार' लिखा हुआ था। खरगे ने एसआईआर के खिलाफ 'संविधान को बचाओ' और 'लोकतंत्र की हत्या बंद करो' के नारे लगाए। विपक्षी सांसदों की मांग है कि इस विषय पर संसद में चर्चा होनी चाहिए। विरोध प्रदर्शन से पहले विपक्षी नेताओं ने संसद भवन परिसर में बैठक की, जिसमें संसद के मानसून सत्र में आगे की रणनीति पर चर्चा की गई।

भारत सरकार को दबने की जरूरत नहीं : रामगोपाल

समाजवादी पार्टी के सांसद राम गोपाल यादव ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार को दबने की जरूरत नहीं है, अब हमें अमेरिका को लेकर ठोस कदम उठाने चाहिए. उनका व्यवहार ऐसा है जैसे वो राजा हों। सपा सांसद राम गोपाल यादव ने कहा कि कुछ दिनों पहले एक प्रेस वार्ता के दौरान जब किसी पत्रकार ने (अमेरिका के राष्ट्रपति) ट्रम्प से पीएम मोदी के बारे में पूछा तो ट्रम्प ने कहा, मोदी मेरे दोस्त हैं, लेकिन मुझे पाकिस्तान से प्यार है, ट्रम्प का व्यवहार पूरी दुनिया में दूसरे देशों के प्रति ऐसा है कि जैसे वे राजा हों और दूसरे लोग प्रजा हों। सपा सांसद ने कहा कि जैसा अमेरिका कर रहा है ऐसा कभी किसी बड़े और ताकतवर देश ने दूसरे देशों के साथ नहीं किया। हिंदुस्तान को नए सिरे से सोचना होगा।

भारत के लिए अब टमाटर-आलू नहीं, चीन-अमेरिका पाकिस्तान हैं सबसे बड़ी चुनौती : जयराम रमेश

कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि वह कभी देश में टॉप (टॉप...टमाटर, प्याज़ और आलू की क़ीमतें) चुनौती की बात करते थे, लेकिन अब भारत को कैप (चीन, अमेरिका और पाकिस्तान) से उत्पन्न राजनीतिक चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा बुधवार को भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने के बाद कांग्रेस पार्टी ने भाजपा सरकार की कड़ी आलोचना की। कांग्रेस पार्टी ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, देश अब नरेंद्र मोदी की दोस्ती की कीमत चुका रहा है।इसने सितंबर 2019 में टेक्सास में हुए हाउडी मोदी! कार्यक्रम का हवाला देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर ट्रम्प के लिए प्रचार करने का आरोप लगाया। रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, भारत के प्रति राष्ट्रपति ट्रंप के तेवर लगातार सख्त होते जा रहे हैं। 10 मई से अब तक ट्रंप 30

बार यह दावा कर चुके हैं कि उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को रुकवाया। ये दावे उन्होंने चार अलग-अलग देशों में किए हैं।उन्होंने 18 जून को व्हाइट हाउस में पाकिस्तान सेना प्रमुख और पहलगाम आतंकी हमलों के सूत्रधार की दोपहर के भोजन पर मेज़बानी की। उन्होंने कहा, 30 जुलाई को ट्रंप ने भारत से अमेरिका को होने वाले निर्यात पर 25 प्रतिशत शुल्क और रूस से भारत की तेल व रक्षा खरीद पर अतिरिक्त पेनल्टी लगा दी। साथ ही, ईरान से संबंध रखने के आरोप में छह भारतीय कंपनियों पर भी प्रतिबंध लगाए। रमेश ने इस बात का उल्लेख किया कि ट्रंप ने यह भी घोषणा की है कि अमेरिका पाकिस्तान को उसके तेल (और गैस) भंडारों की खोज और विकास में मदद करेगा। उन्होंने कहा, यह उस वित्तीय सहायता से अलग है, जो वह पहले ही पाकिस्तान को आईएमएफ और विश्व बैंक से दिलवा चुके हैं।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

पर्यावरण की उपेक्षा से बढ़ेगी गंभीर समस्याएं

आमजन को अब चेतना होगा अन्यथा उनके अस्तित्व पर गहरा असर होगा। हवा में मौजूद विषैले कण-खासकर महीन धूल और नाइट्रोजन डाइऑक्साइड जैसी हानिकारक गैसें, जो मुख्य रूप से वाहनों और औद्योगिक प्रक्रियाओं से निकलती हैं, हमारे मस्तिष्क को सीधे प्रभावित कर रही हैं। यह व्यापक शोध लगभग 3 करोड़ व्यक्तियों से जुड़े 51 अध्ययनों पर आधारित है।

ग्लोबल वार्मिंग का असर आर्थिक आधार पर भी नुकसान पहुंचा रहा है। पूरी दुनिया में वस्तुएं महंगी हो रही है। उधर आम जानों द्वारा पर्यावरण की उपेक्षा एवं बढ़ता वायु प्रदूषण मनुष्य स्वास्थ्य के लिये न केवल घातक हो रहा है, बल्कि एक बीमार समाज के निर्माण का कारण भी बन रहा है। हाल ही में हुए एकअध्ययन ने वायु प्रदूषण और बिगड़ती स्मृति के बीच एक खतरनाक संबंध का खुलासा किया है। अर्थात दुनिया भूलने की बीमारी बढ़ रही है। आमजन को अब चेतना होगा अन्यथा उनके अस्तित्व पर गहरा असर होगा। हवा में मौजूद विषैले कण-खासकर महीन धूल और नाइट्रोजन डाइऑक्साइड जैसी हानिकारक गैसें, जो मुख्य रूप से वाहनों और औद्योगिक प्रक्रियाओं से निकलती हैं, हमारे मस्तिष्क को सीधे प्रभावित कर रही हैं। यह व्यापक शोध लगभग 3 करोड़ व्यक्तियों से जुड़े 51 अध्ययनों पर आधारित है। ये निष्कर्ष भारत जैसे देशों के लिए विशेष रूप से चिंताजनक हैं, जहाँ वायु प्रदूषण का स्तर दुनिया में सबसे अधिक है। अगर धनी और विकसित देश भी प्रदूषण के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों से जूझ रहे हैं, तो भारत लापरवाही बर्दाश्त नहीं कर सकता।

वायु प्रदूषण से निपटना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। अध्ययन में चेतावनी दी गई है कि प्रदूषित हवा के नियमित संपर्क में रहने से मनोभ्रंश एवं स्मृति-लोप का खतरा काफी बढ़ जाता है, यह एक ऐसी प्रगतिशील स्थिति है जो स्मृति और संज्ञानात्मक क्षमताओं को क्षीण कर देती है। दुनिया भर में, लगभग 5.74 करोड़ लोग पहले से ही मनोभ्रंश से प्रभावित हैं। वायु प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए तत्काल कार्रवाई न किए जाने पर, यह संख्या 2050 तक तिगुनी होकर 15.28 करोड़ हो सकती है। मनोभ्रंश अर्थात डिमेंशिया या भूलने की बीमारी का दुनिया में बढ़ता खतरा इतना बढ़ा है कि आगामी पच्चीस वर्ष में इस बीमारी से ग्रस्त लोगों की संख्या तीन गुना हो जाएगी। शोधकर्ताओं ने वायु प्रदूषण में खासकर कार से निकलने वाले धुएं या उत्सर्जन को गंभीर माना है। उल्लेखनीय है कि लंबे समय तक प्रदूषित वातावरण में रहने वाले लोगों के मस्तिष्क की कार्यक्षमता में एक दशक तक की गिरावट देखी जा सकती है, उदाहरण के लिए, लगातार जहरीली हवा में सांस लेने वाला 50 वर्षीय व्यक्ति 60 वर्षीय व्यक्ति के समान संज्ञानात्मक क्षमता प्रदर्शित कर सकता है। वायु प्रदूषण का सबसे पहला असर फेफड़ों और दिल पर प?ता है, लेकिन यह वहीं तक सीमित नहीं रहता। हवा में मौजूद ये छोटे-छोटे कण हमारी सांस के जरिए खून में चले जाते हैं और फिर सीधे दिमाग तक पहुंच जाते हैं। इससे-याद रखने की क्षमता कमजोर होती है। ध्यान केंद्रित करना मुश्किल हो जाता है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

बीमार भविष्य के कारखाने न बनें सरकारी स्कूल

विश्वनाथ सचदेव

यहां सवाल किसी स्कूल की छत ढहने का नहीं है, शिक्षा का सारा ढांचा ही जर्जर है। इस ढांचे की मरम्मत की आवश्यकता है। सरकारी स्कूलों की जगह निजी स्कूलों को बढ़ावा देने की नीति को बदलना होगा, शिक्षा को प्राथमिकता देनी होगी। देश में बहुत कुछ हो रहा है- कहीं पुल ढह रहे हैं, कहीं सड़कें नदियां बनी हुई हैं, कहीं विमान-दुर्घटनाएं हो रही हैं, देश का उपराष्ट्रपति इस्तीफा दे रहा है, संसद में और सड़कों पर प्रदर्शन हो रहे हैं। सरकारी एजेंसियां छापेमारी में लगी हैं। अरबों-खरबों के घोटाले की बातें हो रही हैं। मतदाता सूचियों को खंगाला जा रहा है। लाखों नाम जुड़ रहे हैं, लाखों काटे जा रहे हैं। नेतागण अपनी-अपनी पार्टी के गुणगान में लगे हैं, कार्यकर्ता समझ नहीं पा रहे किस नेता की बात सच मानें और किसकी झूठ। कहीं भ्रष्टाचार की बात हो रही है, कहीं चुनाव की... इस सारे शोर-शराबे में हाल ही में राजस्थान के झालावाड़ में एक स्कूल की छत ढह जाने से सात बच्चों की जान चली गय।

जो छत गिरी, दो साल पहले ही लगभग तीन लाख रुपये उसकी मरम्मत पर खर्च होने का दावा किया गया था! शिक्षा मंत्री कह रहे हैं 'मामले की उच्च स्तरीय जांच' करायेंगे। हकीकत यह है कि देश में सरकारी स्कूल और उनमें दी जा रही शिक्षा दोनों जर्जर अवस्था में हैं। होती है कभी-कभी बात इस जर्जर अवस्था के बारे में, पर अक्सर 'उच्च स्तरीय जांच' की घोषणा ही सुनाई देती है, उसके परिणाम कहीं सरकारी फाइलों में दबे पड़े रहते हैं। इस झालावाड़-कांड की जांच के साथ भी ऐसा नहीं होगा, इसकी कोई गारंटी नहीं है। सात बच्चों के मरने और चौबीस बच्चों के घायल होने वाले इस हादसे ने देश में सरकारी शिक्षा की स्थिति पर कुछ सवाल जरूर उठायें हैं, पर उनके उत्तर खोजने की बात कोई नहीं कर रहा। कोई नहीं पूछ रहा कि उन मासूमों का क्या कसूर था, जो खिलने से पहले ही कुम्हला गये? उनके अभिभावकों के सपनों की मौत के लिए कौन जिम्मेदार है, इस बारे में कोई बात नहीं हो रही। संसद में 'आपरेशन सिंदूर' के बारे में चर्चा होती रही है।

महत्वपूर्ण है यह विषय इसमें कोई संदेह नहीं, लेकिन देश के स्कूलों और शिक्षा की स्थिति की गंभीरता और महत्व को क्यों नहीं समझा जा रहा? झालावाड़ का स्कूल अकेला नहीं है जिसकी इमारत जर्जर अवस्था में है। राजस्थान के ही नहीं देशभर के सरकारी स्कूलों की इमारतें और शिक्षा की स्थिति संसद में काम रोको प्रस्ताव की मांग कर रही है, पर कौन सुन रहा है इस

मांग को? देश में नई शिक्षा नीति को लागू किया जा रहा है उसे लेकर विवाद भी उठ रहे हैं। पर यह दुर्भाग्य ही है कि प्राथमिक शिक्षा की स्थिति हमारी वरीयता में कहीं नहीं दिखाई दे रही। शिक्षा का माध्यम क्या हो, कितनी भाषाएं देश के बच्चे सीख रहे हैं जैसे कुछ सवाल यदि कहीं उठ भी रहे हैं तो वह भी अपने-अपने राजनीतिक हितों-स्वार्थों के खातिर ही। सवाल किसी झालावाड़ के सरकारी स्कूल की छत गिरने का नहीं है, देश के हर हिस्से में ऐसे स्कूल दिख जाएंगे जहां बच्चे दीवारें ढहने या छत गिरने के खतरे को झेलते हुए अपना भविष्य बनाने की शुरुआत कर रहे हैं। प्राप्त आंकड़ों के अनुसार आज देश में 74 हज़ार से अधिक स्कूल जर्जर अवस्था में हैं। आंकड़े यह भी बता रहे हैं कि देश में सरकारी स्कूल लगातार कम हो रहे हैं। अकेले मध्य प्रदेश में पिछले एक दशक में लगभग नब्बे हज़ार सरकारी स्कूल बंद हुए हैं। सहज ही विश्वास नहीं होता इस आंकड़े पर, पर शिक्षा को लेकर जिस तरह की अराजकता हमारे देश में पसरी है उसे देखते हुए आश्चर्य भी होना चाहिए और चिंता भी। चिंता इस बात की भी होनी चाहिए कि सरकारी स्कूलों के बंद होने के साथ-साथ निजी स्कूलों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है। अकेले उत्तर प्रदेश में पिछले कुछ अरसे में 25 हज़ार से अधिक सरकारी स्कूल बंद हुए हैं! इसका एक कारण यह भी बताया जा रहा है कि अभिभावक अपने बच्चों को बेहतर और स्तरीय शिक्षा के लिए सरकारी स्कूलों से निकाल कर अच्छे निजी स्कूलों में पढ़ने के लिए भेज रहे हैं। सवाल उठता है कि ऐसी स्थिति आयी क्यों? इस सवाल का जवाब भी कोई मुश्किल नहीं है- 'अच्छी शिक्षा' के नाम पर कुकुरमुत्तों की तरह उग रहे निजी स्कूलों को जिस तरह बढ़ावा दिया जा रहा है उसने शिक्षा को एक व्यवसाय बनाकर रख दिया है।

'इंटरनेशनल स्कूल' कहलाते हैं ये संस्थान! अंग्रेजी माध्यम वाले यह स्कूल पैसे वालों के लिए है और उनके लिए भी जो अपनी जीवन शैली को बेहतर दिखाने की होड़ में लगे हैं। आज एक ओर हमारे देश में झालावाड़ जैसे जर्जर सरकारी स्कूल हैं और दूसरी ओर लाखों की फीस वाले वे निजी स्कूल जहां 'बड़े लोगों' के बच्चे पढ़ते हैं। इन एयर कंडीशन स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों में भी स्वंय को 'कुछ अलग' समझने की भावना पनपती है। यह प्रवृत्ति समाज को बांटने वाली है। चिंता होनी चाहिए इस स्थिति और प्रवृत्ति पर। पर हो नहीं रही।

बलिदान से ज्वाला बनी आज़ादी की चिंगारी

डॉ. रामजीलाल

भारत के स्वतंत्रता संग्राम में शहीद उधम सिंह का बलिदान अविस्मरणीय है। यह क्रांतिकारी संघर्षमय जीवन व देश के प्रति सर्वस्व समर्पण की मिसाल हैं। उधम सिंह के बचपन का नाम शेर सिंह था। इनका जन्म 26 दिसंबर, 1899 को तत्कालीन पटियाला रियासत के सुनाम कस्बे में हुआ। उधम सिंह के पिताजी का नाम टहल सिंह कंबोज तथा माताजी का नाम नारायणी था। बालक शेर सिंह पर मुसीबतों का पहाड़ टूट पड़ा जब इनकी माताजी का सन् 1901 तथा पिताजी का 1907 में देहांत हो गया। किशन सिंह रागी नामक शख्स ने दोनों भाइयों, शेर सिंह तथा साधू सिंह को सेंट्रल खालसा अनाथालय, अमृतसर में भर्ती कराया। उपलब्ध रिकॉर्ड अनुसार, अनाथालय में 28 अक्टूबर, 1907 को दोनों भाइयों की दीक्षा के बाद शेर सिंह का नाम ऊधम सिंह तथा साधू सिंह का नाम मुक्ता सिंह रखा गया।

उधम सिंह ने साल 1918 में मैट्रिक परीक्षा उत्तीर्ण की और अनाथालय छोड़ दिया। वहीं भाई मुक्ता सिंह की मृत्यु के पश्चात इनका जीवन बिल्कुल एकाकी हो गया। उस समय प्रथम विश्व युद्ध चल रहा था। साल 1918 में उधम सिंह ब्रिटिश सेना में सैनिक के रूप में भी भर्ती हुए और 1919 में भारत वापस लौट आए। दरअसल, बाल्यकाल में माता-पिता व भाई मुक्ता सिंह की मृत्यु, अभावग्रस्त बाल्यकाल, एकाकी जीवन और अनाथालय के जीवन ने उधम सिंह को साहसी, संघर्षशील एवं जुझारू युवक बना दिया। वहीं भारतीय जनता की गरीबी, भुखमरी, बेरोजगारी, ब्रिटिश शासन द्वारा भारतीय संसाधनों का दोहन, जनता पर अत्याचारों ने भी उनके चिंतन को प्रभावित किया। उनके राजनीतिक चिंतन पर गहरा प्रभाव जलियांवाला बाग नरसंहार (13 अप्रैल, 1919) का पड़ा। इसके अतिरिक्त उन पर क्रांतिकारियों एवं राष्ट्रीय नेताओं, बब्बर अकाली लहर, मार्क्सवाद, लेनिनवाद और विदेश यात्राओं व प्रवास, क्रांतिकारी संगठनों-हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन, गदर पार्टी आदि का प्रभाव पड़ा था।

इसी क्रम में क्रांतिकारी गतिविधियों के लिए भारतीयों को संगठित करने हेतु उधम सिंह ने लंदन में 'आजाद पार्टी' का भी गठन किया। शहीद भगत सिंह के व्यक्तित्व, विचारों और कुर्बानी ने उन्हें सर्वाधिक प्रभावित किया। जिन्हें वे 'मित्र' और 'गुरु' मानते थे। प्रथम विश्व युद्ध में उत्पन्न हुई समस्याओं के कारण पंजाब सहित समस्त भारत में जनता में असंतोष चरम पर था। प्रांतीय सरकार ने इसे दबाने के लिए अराजक एवं क्रांतिकारी अपराध अधिनियम 1919 (रोलेट एक्ट) लागू किया। जिसकी भारतीयों ने 'काले कानून' कहकर आलोचना की। इन कानूनों का पंजाब में सर्वाधिक विरोध हुआ। बैसाखी यानी 13 अप्रैल, 1919 को अमृतसर स्थित जलियांवाला बाग में शांतिपूर्ण समारोह किया गया। जहां सभी समुदायों के लगभग 20,000 लोग एकत्रित थे। एक साजिश के तहत ब्रिगेडियर जनरल आर.ई.एच. डायर सैनिकों को लेकर शाम 5 बजे सभा स्थल पर आया व बिना किसी चेतावनी के गोली चलाने के आदेश दिए।

सैनिक टुकड़ी ने करीब 1650 गोलियां के साथ फायरिंग की। लगभग 15 मिनट में अमृतसर के सिविल सर्जन डॉ. स्मिथ के अनुसार 1800 स्त्री, पुरुष और बच्चे मारे गए। जलियांवाला बाग हत्याकांड 20वीं शताब्दी में बर्बरता एवं अमानवीयता की मिसाल थी, जो भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास में एक क्रांतिकारी मोड़ साबित हुआ। जलियांवाला बाग हत्याकांड के बाद उधम सिंह के हृदय में बदला लेने की ज्वाला निरंतर धधकती रही। उन्होंने जनरल डायर से बदला लेने का निर्णय लिया। परंतु डायर साल 1927 में बीमारी से ही मर गया। उधम सिंह ने अपनी पहचान छुपाने के लिए अनेक छद्म नाम रखे जिनमें उदे, शेर सिंह, उदय, फ्रेंक ब्राजील, उधम सिंह कम्बोज, मोहम्मद सिंह आजाद तथा राम मोहम्मद सिंह आजाद जो सांप्रदायिक सद्भाव के प्रतीक हैं। उधम सिंह अपने नाम की भांति एड्रेस भी बदलते रहे। इंग्लैंड प्रवास के दौरान पते में बार-बार परिवर्तन ने पुलिस व गुप्तचर विभाग को भ्रमित किया और उन्हें गिरफ्तार नहीं किया जा सका। आम धारणा यह है कि उधम सिंह अविवाहित थे। परंतु उन्होंने दो शादियां की थी। प्रथम विवाह किया अमेरिका प्रवास के दौरान 1923 में लूपे हर्नांडेज से। उधम सिंह ने स्वीकार किया था कि उनके दो बेटे थे।

वहीं ब्रिटिश गुप्तचर विभाग की रिपोर्ट अनुसार, लंदन में नवंबर 1936 में उधम सिंह ने एक श्वेत महिला से शादी की। बता दें कि उधम सिंह साल 1934 में लंदन चले गये। फिर 1940 में जलियांवाला हत्याकांड के 21 वर्ष के बाद उधम सिंह का इंतकाम पूरा होने का वक्त आया। जब लंदन में एक सभा के दौरान माइकल ओ'डायर (1913 से 1919 तक पंजाब के लेफ्टि गवर्नर) ने अपने भाषण में भारतीयों के लिए अपमानजनक शब्द कहे। वहां मौजूद उधम सिंह ने माइकल ओ'डायर को गोलियां मारी। उसकी मौके पर मौत हो गई। 31 जुलाई 1940 को उधम सिंह को माइकल ओ'डायर की हत्या के जुर्म में पेंटनविले जेल में फांसी दी गई थी। उधम सिंह ने पेंटोविले जेल से 15 जुलाई, 1940 को लिखा कि 'हमारा सबका महान कर्तव्य देश की पुण्य भूमि से अंग्रेजों को बाहर निकालना है। तत्पश्चात हिंदू, मुस्लिम तथा सिख एकता स्थापित करना है भुखमरी, अज्ञानता, अविद्या, बीमारियों को समूल नष्ट करना है।' अमर शहीद उधम सिंह की कुर्बानी के भारतीय सदैव ऋणी रहेंगे। क्रांतिकारी आकाशगंगा के प्रकाश पुंज शहीद उधम सिंह को श्रद्धांजलि!

घर पर चुटकियों में तैयार करें मिंट मोइतो

ये ठंडी ड्रिंक पीकर हो जाएंगे तरोताजा

धूप इतनी तेज हो रही है कि लोगों को डिहाइड्रेशन की परेशानी हो रही है। ये दिक्कत शरीर में पानी की कमी से होती है। ऐसे में इस मौसम में डॉक्टर सलाह देते हैं कि गर्मी के मौसम में जितना पानी पिया जाए, उतना ही बेहतर है। कई बार पानी पीने से भी राहत नहीं मिलती। इसी के चलते लोग अलग-अलग ड्रिंक्स बनाकर उसका सेवन करते हैं। यदि आप भी कुछ अलग ड्रिंक पीना चाहते हैं तो अपने घर पर ही कैफे जैसा मिंट मोइतो तैयार करें। मिंट मोइतो तैयार करना काफी आसान है। इसे बनाने के लिए आपको ज्यादा सामान की जरूरत भी नहीं पड़ेगी।

विधि

मिंट मोइतो बनाना काफी आसान है। इसके लिए आपको सबसे पहले तो एक गिलास या मिक्सिंग जार में नींबू के टुकड़े, पुदीना पत्तियां और पिसी चीनी डालनी है। इसके बाद मडलर से हल्के से मसलें ताकि नींबू का रस और पुदीना की पत्तियां आपस में मिक्स हो जाएं। सभी चीजों को मिक्स करने के बाद अब इसमें भरपूर बर्फ डालें। बर्फ डालने के बाद इसके ऊपर से सोडा डालें। सबसे आखिर में इसमें थोड़ा काला नमक छिड़कें। अब चम्मच से इसे मिक्स करें। इसके बाद इसे सर्विंग गिलास में डालें और फिर इसे पुदीना की पत्ती और नींबू स्लाइस से गार्निश करें। इसे मेहमानों को सर्व करके आप उनका दिल जीत सकती हैं। लेकिन यदि आप कैफे जैसा मोइतो बनाना चाहते हैं तो पहले से मिक्स किया हुआ मोइतो 10 मिनट के लिए फ्रिज में रखें। इससे ये खुद ही ठंडा हो जाएगा और आपको इसमें ज्यादा बर्फ डालने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इसके अलावा यदि आप चीनी डालना नहीं चाहते हैं तो सोडा की बजाय आप स्प्राइट इस्तेमाल करें, इससे इसका स्वाद और भी ज्यादा बढ़ जाएगा।

सामान

15-20 पुदीने की पत्तियां,1 नींबू (कटे हुए टुकड़ों में) 2 चम्मच पिसी हुई चीनी, बर्फ के टुकड़े, 1 कप सोडा या स्प्राइट, 1/2 कप पानी, काला नमक।

गर्मियों में बनाएं टेस्टी आइसक्रीम

गर्मी के मौसम में हर कोई ठंडी-ठंडी चीजें खाना चाहते हैं, लेकिन ये जरूरी नहीं है कि आप हर वक्त बाजार से चीजें खरीदकर खा सकें। खासतौर पर बच्चों से बड़ों तक को इस मौसम में आइसक्रीम खाना पसंद होता है। पर, यदि आप बार-बार बाहर से आइसक्रीम लेकर खाएंगे तो इससे तबियत खराब होने का भी खतरा रहेगा। ऐसे में आप घर पर आइसक्रीम बना सकते हैं। इस आइसक्रीम को बनाने के लिए आपको ज्यादा चीजों की जरूरत नहीं पड़ेगी।

विधि

इस आइसक्रीम को बनाने के लिए सबसे पहले एक बड़े बाउल में कंडेन्स्ड मिल्क, फ्रेश क्रीम और दूध को अच्छे से फेंट लें। इसे आपको कुछ देर तक लगातार फेंटना है। अब उसमें वेनिला एसेंस डालें और फिर से मिक्स करें। वेनिला एसेंस को डालने के बाद इसे अच्छे से मिक्स करें, ताकि इसका फ्लेवर आइसक्रीम में अच्छी तरह से आए। सभी चीजों को अच्छी तरह से मिक्स करने के बाद इस मिश्रण को एक एयरटाइट डिब्बे में डालें। अब इसे कम से कम तीन घंटों के लिए मोल्ड में डालकर फ्रीजर में रखें। तीन घंटे के बाद जब ये जम जाए तो इसे निकालें और फिर मिक्सी में ब्लैंड करें। एक बार ब्लैंड करने के बाद ये आइसक्रीम एकदम क्रीमी बनेगी। ब्लैंड करने के बाद इसे फ्रीजर में दोबारा रख दें। इसके बाद आइसक्रीम मोल्ड को कम से कम 6-8 घंटे या रातभर फ्रिजर में रख दें। यदि आप इसे रातभर के लिए फ्रिज में रखेंगी तो ये अच्छी तरह से जम जाएगी।

सामान

फुल क्रीम दूध- 2 कप, कंडेन्स्ड मिल्क- 1 कप, फ्रेश क्रीम- 1 कप, वेनिला एसेंस- 1 छोटा चम्मच।

हंसना मना है

बाबा - दीदी एक रोटी दे दो, सुबह से भूखा हूं... अंदर से आवाज आई - दीदी तेरी बैंक गई है, आज तो जीजा भी भूखा है...

एक बनिये ने शेख को खून देकर उसकी जान बचाई... शेख ने खुश होकर उसे मर्सिडिज कार गिफ्ट की... शेख को फिर खून की जरूरत पड़ी, बनिये ने फिर खून दिया। अबकी बार शेख ने सिर्फ लड्डू दिए... बनिया (गुस्से से) - इस बार सिर्फ लड्डू... शेख - बिरादर, अब हमारे अंदर भी बनिया का खून दौड़ रहा है...

पत्नी की तबीयत कुछ खराब रहती थी, तो उसने पेंटर से अपनी एक तस्वीर बनवाई, फिर कुछ सोच कर पेंटर को कहा कि गले में नौलखा हार भी बना दो... पेंटिंग बनने के बाद पेंटर ने पूछा-आपने ऐसा क्यों किया... पत्नी बोली-कभी मैं मर गयी तो मेरे पति दूसरी शादी कर लेंगे, नई वाली आएगी तो वो हार ढूंढेगी और मिलेगा नहीं तो झगड़ा होगा... तब मेरी आत्मा को सच्चा सुकून मिलेगा... इसे कहते हैं, जिंदगी के साथ भी और जिंदगी के बाद भी...

कहानी | आधा इनाम

यह बात तब की है जब शहंशाह अकबर और बीरबल की पहली मुलाकात हुई थी। उस समय सभी बीरबल को महेश दास के नाम से जानते थे। एक दिन अकबर बाजार में महेश दास की होशियारी से खुश होकर उसे अपने दरबार में इनाम देने के लिए बुलाते हैं और निशानी के तौर पर अपनी अंगूठी देते हैं। कुछ समय के बाद महेश दास अकबर से मिलने के लिए महल की ओर रवाना हो जाते हैं। वहां महेश दास देखते हैं कि महल के बाहर बहुत लंबी लाइन लगी हुई है और दरबान हर व्यक्ति से कुछ न कुछ लेकर ही उन्हें अंदर जाने दे रहा है। जब महेश दास का नंबर आया, तो उसने कहा कि महाराज ने मुझे इनाम देने के लिए बुलाया है और उसने सुल्तान की अंगूठी दिखाई। दरबान के मन में लालच आ गया और उसने कहा कि मैं तुम्हें एक ही शर्त पर अंदर जाने दूंगा अगर तुम मुझे इनाम में से आधा हिस्सा दो तो। दरबान की बात मानकर महेश दास महल में चले गए। दरबार में जैसे ही महेश दास की बारी आई और वो सामने आए, तो शहंशाह उन्हें देखते ही पहचान गए और दरबारियों के सामने उनकी बहुत तारीफ की। बादशाह ने कहा कि बोलो महेश दास इनाम में क्या चाहिए। तब महेश दास ने कहा कि महाराज मैं जो कुछ भी मांगूगा क्या आप मुझे इनाम में देंगे? अकबर ने कहा कि बिल्कुल, मांगों क्या मांगते हो। तब महेश दास ने कहा कि महाराज मुझे पीठ पर 100 कोड़े मारने का इनाम दें। महेश दास की बात सुनकर सभी को हैरानी हुई और बादशाह ने पूछा कि तुम ऐसा क्यों चाहते हो। तब महेश दास ने दरबान के साथ हुई पूरी घटना बताई और अंत में कहा कि मैंने वादा किया है कि इनाम का आधा हिस्सा मैं दरबान को दूंगा। तब अकबर ने गुस्से में आकर दरबान को 100 कोड़े लगवाए और महेश दास की होशियारी देखकर अपने दरबार में मुख्य सलाहकार के रूप में रख लिया। इसके बाद अकबर ने उनका नाम बदलकर बीरबल कर दिया।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

पुराना रोग उभर सकता है। योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन संभव है। विरोधी सक्रिय रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। मित्रों की सहायता कर पाएंगे।

वृषभ

व्यवसाय में ध्यान देना पड़ेगा। व्यर्थ समय न गंवाएं। पूजा-पाठ में मन लगेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। जल्दबाजी से हानि संभव है। थकान रहेगी। कुसंगति से बचें।

मिथुन

घर-परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि हो सकती है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

कर्क

कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति निर्मित होगी। प्रेम-प्रसंग में जोखिम न लें। व्यापार में लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। निवेश में सोच-समझकर हाथ डालें।

सिंह

बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी। स्थायी संपत्ति से बड़ा लाभ हो सकता है। समय पर कर्ज चुका पाएंगे।

कन्या

पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा।

तुला

दूर से बुरी खबर मिल सकती है। दौड़धूप अधिक होगी। बेवजह तनाव रहेगा। किसी व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है। फालतू बातों पर ध्यान न दें। आय में निश्चितता रहेगी।

वृश्चिक

कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। चिंता बनी रहेगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। मेहनत का फल मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी।

धनु

उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें। बड़ा काम करने का मन बनेगा।

मकर

नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति संभव है। यात्रा लाभदायक रहेगी। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। कारोबारी बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। लापरवाही न करें।

कुम्भ

फालतू खर्च पर नियंत्रण रखें। बजट बिगड़ेगा। कर्ज लेना पड़ सकता है। शारीरिक कष्ट से बाधा उत्पन्न होगी। लेन-देन में सावधानी रखें। आय होगी। संतुष्टि नहीं होगी।

मीन

यात्रा लाभदायक रहेगी। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है, प्रयास करें। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। शेयर मार्केट से बड़ा लाभ हो सकता है। संचित कोष में वृद्धि होगी।

कई मुश्किलों को पार कर थियेटर तक पहुंची धड़क-2

सिद्धांत चतुर्वेदी-तृप्ति डिमरी स्टारर धड़क 2 सिनेमाघरों में 1 अगस्त को रिलीज हो रही है। फिल्म की एडवांस बुकिंग को ओपन नहीं किया गया है। जातिगत भेदभाव पर बनी इस सीरियस लव स्टोरी का सीधा क्लैश अजय देवगन की कॉमेडी फिल्म सन ऑफ सरदार 2 से होने वाला है। वहीं सैयारा की आंधी भी इन फिल्मों की रिलीज पर असर डाल सकती है।

लेकिन फिलहाल हम बात करेंगे धड़क 2 की, जिसकी राह मेकिंग से समय से ही मुश्किल रही है। फिल्म की कहानी भले ही रोमांटिक या लव स्टोरी है, लेकिन एक सीरियस इश्यू के बीच बुनी गई है। इस वजह से ये बहुत सेंसिटिव हो जाती है। मेकिंग के दौरान फिल्म को कई सोच और बाधाओं को पार करना पड़ा।

धड़क 2 तमिल फिल्म (2018) की रीमेक है, जो कास्टिस्म की बात करती है। इसकी को-प्रोड्यूसर मीनू अरोड़ा ने बताया है कि तमिल फिल्म के प्रोड्यूसर पा रंजित को मनाना आसान नहीं था। उनसे रीमेक राइट्स लेने के लिए मीनू को 6 महीने तक

चक्कर काटने पड़े। क्योंकि पा रंजित को डाउट था कि बॉलीवुड में रीमेक बनने से फिल्म का असली मतलब और आत्मा खो जाएगी। उन्हें मनाने में मीनू को 6 महीने का वक्त लगा।

आखिरकार जब उन्होंने देखा कि मीनू इस प्रोजेक्ट में इमोशनली कितनी इंवेस्टेड हैं, तब जाकर उन्होंने हां कहा। मीनू मानती हैं कि ऐसी कहानियों का अलग-अलग भाषा में कहा जाना बहुत जरूरी है। जाति भेदभाव की वजह से प्यार में आई दूरियां और तड़प ही धड़क 2 को खास बनाती है। ये सीधे तौर पर इंसान की भावनाओं पर चोट करती है।

फिर जहां देश में हर मुद्दे को सेंसिटिव और भावनाओं को आहत करने वाले पैमाने पर तोला जाता है। ऐसे में बहुत मुमकिन था कि फिल्म सेंसर बोर्ड में अटक जाती। हालांकि मेकर्स के मुताबिक फिल्म को पहले ही सभी पैमानों पर जांच कर फाइनल किया गया। लेकिन बावजूद इसके सेंसर बोर्ड की इस पर कैंची चली और धड़क 2 में 16 कट्स लगाए गए। वहीं कई डायलॉग्स तक में बदलाव किए गए। जैसे- 3,000 साल का पिछड़ापन 70 साल में खत्म नहीं होगा। इसे बदलकर कर दिया गया- सदियों पुराना पिछड़ापन 70 साल में खत्म नहीं होगा।

मुश्किल में फंसे राजकुमार राव, कोर्ट में हुए सरेंडर, मिली जमानत

फिल्म स्त्री के हीरो राजकुमार राव हाल ही में जालंधर कोर्ट में पेश हुए। उन्होंने खुद को सरेंडर किया। दरअसल, राजकुमार पर धार्मिक भावना भड़काने के केस में पेश न होने पर अरेस्ट वॉरन्ट जारी हुआ था। जालंधर के जेएमआईसी जज श्रीजन शुक्ला की कोर्ट में सोमवार यानी 28 जुलाई को धार्मिक भावना भड़काने के केस में राजकुमार राव ने सरेंडर किया था।

कोर्ट में पेश न होने को लेकर राजकुमार के खिलाफ अरेस्ट वॉरन्ट जारी किए गए थे। केस की अगली सुनवाई 30 जुलाई को हुई, जिसमें बचाव पक्ष के वकील दर्शन सिंह दयाल ने स्टेटमेंट दिया। उन्होंने कोर्ट में दलील देते हुए कहा- उनके क्लाइंट को कोर्ट से राहत मिलने के बाद वो जांच में शामिल हो गए थे। पुलिस ने जांच पूरी कर चार्जशीट कोर्ट में फाइल कर दी थी, लेकिन जिस एड्रेस (प्रेम नगर गुडगांव) पर कोर्ट की ओर से समन भेजे गए थे, वो उन्हें नहीं मिले, क्योंकि अब एक्टर वहां नहीं रहते। वर्तमान में राजकुमार राव मुंबई के अंधेरी वेस्ट स्थित ओबेरॉय स्प्रिंग्स में रहते हैं। इसलिए समन न मिलने के कारण राजकुमार राव पेश नहीं हो सके। वकील ने दलील दी कि उनके क्लाइंट के नोटिस में जब ये मामला आया तो उन्होंने खुद को कोर्ट में सरेंडर कर दिया। कोर्ट ने बचाव पक्ष की दलील से सहमत होते हुए राजकुमार को बेल मंजूर कर दी है।

धार्मिक भावना भड़काने लगा आरोप

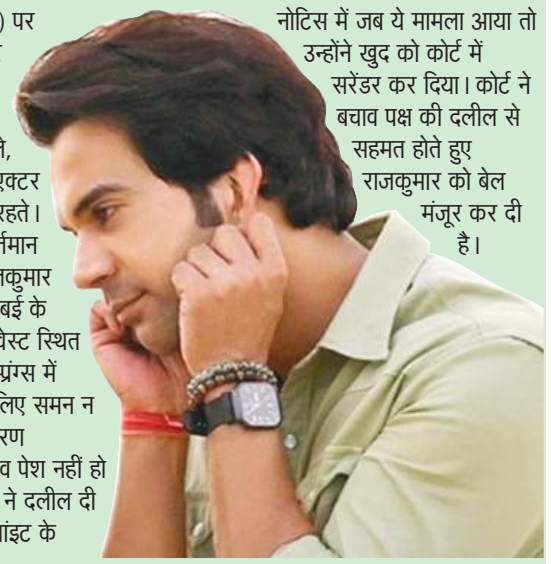

बॉलीवुड | मन की बात

कास्टिंग काउच की वजह से मैंने फिल्म इंडस्ट्री से दूरी बनाई : इंदिरा कृष्णन

फिल्म इंडस्ट्री में कास्टिंग काउच की समस्या बहुत बड़ी है। इस पर आए दिन बहस होती रहती है। वहीं, छोटे पर्दे से लेकर बड़े पर्दे तक अपनी पहचान बना चुकीं अभिनेत्री इंदिरा कृष्णन ने अब कास्टिंग काउच पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने हाल ही में बताया कि वह भी कास्टिंग काउच का शिकार हो चुकी हैं। इंदिरा ने बताया कि वह एक बार नहीं, बल्कि कई बार कास्टिंग काउच की शिकार हो चुकी हैं, लेकिन उन्होंने अपने साथ दुर्व्यवहार करने वाले को एक ही शब्द में चुप करा दिया था। बॉलीवुड से लेकर साउथ फिल्म इंडस्ट्री में काम कर चुकीं इंदिरा कृष्णन ने बॉलीवुड बबल को दिए एक इंटरव्यू में अपने कास्टिंग काउच के अनुभव को साझा किया। उन्होंने कहा, मैंने एक बार नहीं, बल्कि कई बार ऐसा महसूस किया है। खासकर साउथ इंडस्ट्री में, ऐसी चीजें ज्यादा होती हैं। एक बार एक बड़े निर्माता ने मुझे एक बड़े प्रोजेक्ट के लिए चुना था। लेकिन आखिरी समय में, एक छोटी सी बात पर मुझे निकाल दिया गया। एक लाइन, एक बयान और सब कुछ खत्म। इंदिरा ने आगे कहा, मुझे लगा कि अब यह प्रोजेक्ट मेरे हाथ से निकल गया है। मैं घर पहुंची और उस व्यक्ति को मैसेज किया, क्योंकि जिस तरह से वह मुझसे बात कर रहा था, उसकी बॉडी लैंग्वेज, उसकी उम्मीदें बहुत ज़्यादा थीं। साथ ही, उसका दबाव भी बढ़ता जा रहा था। मुझे लगा कि मैं इस स्थिति को संभाल नहीं पाऊंगी। अपनी बातों को जारी रखते हुए उन्होंने आगे कहा, क्या होगा अगर कल से शूटिंग शुरू हो जाए और यह रिश्ता बिगड़ जाए? इसलिए मैंने बहुत धैर्य से उसे मैसेज किया। मैंने उसे साफ-साफ कह दिया कि मैं यहां अपना टैलेंट बेचने आई हूं, खुद को नहीं। हो सकता है ये शब्द थोड़े कठोर लगें, लेकिन मुझे लगता है कि सही समय पर साफ-साफ बोलना जरूरी है। इतना ही नहीं, इंदिरा ने यह भी बताया कि कास्टिंग काउच की वजह उनके हाथ से कई अच्छे प्रोजेक्ट भी निकल गए और यही वजह थी कि उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री से दूरी बनाई और फिर टीवी इंडस्ट्री में काम करने का फैसला लिया। उन्होंने ये भी कहा कि वह छोटे पर्दे पर अपनी प्रतिभा को बेहतर ढंग से दिखा पाईं। उन्होंने कहा, टीवी इंडस्ट्री में मुझे सम्मान मिला।

मशहूर एक्ट्रेस सिंथिया एरिवो ने अपने मुंह का कराया 16.5 करोड़ का बीमा

आपने हेल्थ बीमा सुना होगा, लेकिन ऑस्कर नॉमिनेट मशहूर एक्ट्रेस सिंथिया एरिवो ने हाल ही में कुछ ऐसा किया जिसे सुनकर कोई भी चौंक जाए। उन्होंने अपने मुंह का बीमा पूरे 2 मिलियन डॉलर यानी करीब 16.5 करोड़ रुपये में करा लिया है! अब आप सोच रहे होंगे, इस मुंह में आखिर ऐसा क्या है? दरअसल, सिंथिया लिस्टरिन की नई 'Wash Your Mouth' कैंपेन का चेहरा बनी हैं। उनका कहना है कि मुंह की सफाई उनके आत्मविश्वास और परफॉर्मेंस का सबसे अहम हिस्सा है। वो स्टेज पर जाने से पहले ब्रश और माउथवॉश से खुद को रीसेट करती हैं। पर यहां असली मसाला ये है कि सिर्फ एक्टिंग या सिंगिंग के लिए ही नहीं, उनका बीमा दरअसल उनकी पहचान उनके 'गैप-टूथ' वाली स्माइल और दमदार आवाज के लिए है। अब ये बात अजीब तो लगती है, लेकिन ये कोई पहला मामला नहीं है। हॉलीवुड में जेनिफर लोपेज के कथित तौर पर 200 करोड़ के 'बैकसाइड बीमा' से लेकर मारिया कैरी की 500 करोड़ की टांगों और वोकल कॉर्ड्स की कहानी तक, ऐसे बीमा अब वहां फैशन बन चुके हैं।

गॉर्डन रामसे ने स्वाद चखने वाली जीभ का, निक कैनन ने मज़ाक-मज़ाक में अपने टेस्टिकल्स का बीमा कराया, और फुटबॉल स्टार क्रिस्टियानो रोनाल्डो और डेविड बेकहम की टांगें भी करोड़ों में बीमित हो चुकी हैं। तो अब सिंथिया की ये बीमाकृत मुस्कान सिर्फ एक हंसी नहीं, हेडलाइंस की गारंटी है। क्या कभी दावा होगा? शायद नहीं। लेकिन एक चीज तो तय है कि इस बीमा ने उन्हें हॉलीवुड की 'सबसे कीमती मुस्कान' वाली स्टार बना दिया है।

अजब-गजब | ये हैं सबसे खूंखार ग्वाले

यहां चरवाहे एके 47 लेकर चराते हैं गाय खतरा महसूस होते ही चला देते हैं गोली

सोशल मीडिया पर एक हैरान करने वाला वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें इथियोपिया के ग्वाले गाय चराते समय एके-47 राइफल लिए नजर आ रहे हैं। भारत में जहां ग्वाले डंडे और सीटी के साथ गायों को हांकते हैं, वहीं इथियोपिया में ये ग्वाले बंदूक के साथ सड़कों पर चलते हैं। यह वीडियो लोगों को चौंका रहा है, क्योंकि इसमें दिख रहा है कि ये ग्वाले खतरा महसूस होते ही गोली चलाने से भी नहीं हिचकते।

यह वीडियो एक ट्रैवल व्लॉगर ने इथियोपिया के ग्रामीण इलाकों में शूट किया और अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स पर शेयर किया। इसमें ग्वाले अपनी गायों को सड़क पर ले जाते हुए दिख रहे हैं और उनके कंधों पर एके47 राइफलें लटकी हुई है। व्लॉगर ने बताया, इथियोपिया में गाय चराना जंग लड़ने जैसा है। यहां ग्वाले अपनी गायों और अपनी जान की रक्षा के लिए हथियार रखते हैं। वीडियो में गायों का झुंड और उनके पीछे सशस्त्र ग्वाले चल रहे हैं, जो किसी एक्शन फिल्म के दृश्य की तरह लगता है। यह वीडियो इंस्टाग्राम, एक्स और यूट्यूब पर लाखों बार देखा जा चुका है।

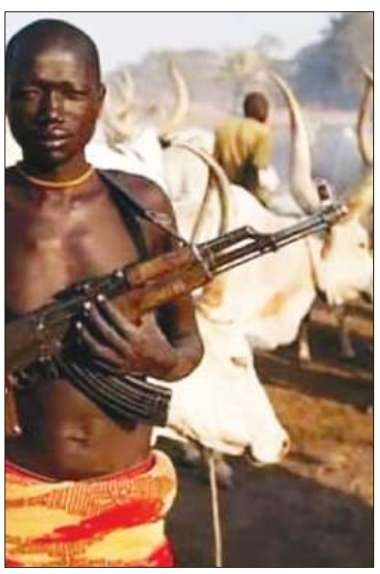

इथियोपिया में गाय चराने वाले ग्वालों के हथियारबंद होने की वजह है गाय चोरी, जिसे स्थानीय भाषा में 'कैटल रस्टलिंग' कहा जाता है। गायें इथियोपिया में सिर्फ पशु नहीं, बल्कि धन, सम्मान और सामाजिक हैसियत का प्रतीक हैं। एक गाय की कीमत इतनी होती है कि यह कई परिवारों के लिए साल भर की आजीविका का साधन हो सकती है। इस कारण चोर और प्रतिद्वंद्वी समुदाय गायों को चुराने की कोशिश करते हैं, जिससे हिंसक झड़पें आम है। पहले ग्वाले तीर-कमान और भाले से अपनी रक्षा करते थे, लेकिन अब एके-47 जैसे हथियारों ने इनका स्थान ले लिया है। ये हथियार सस्ते और आसानी से उपलब्ध हैं, जिसके कारण ग्रामीण इलाकों में इनका चलन बढ़ गया है।

इथियोपिया और पड़ोसी देशों जैसे दक्षिण सूडान और केन्या में गाय चोरी की वजह से होने वाली हिंसा कोई नई बात नहीं है। 2020 में इथियोपिया के ओरोमिया क्षेत्र में गाय चोरी के एक विवाद में 54 लोग मारे गए थे। इसी तरह, दक्षिण सूडान में 2023 में कैटल रेड के दौरान 150 से ज्यादा लोग मारे गए। ये घटनाएं दिखाती हैं कि गाय चराना वहां कितना जोखिम भरा काम है। ग्वाले अपनी गायों की सुरक्षा के लिए हमेशा तैयार रहते हैं और एके-47 उनकी पहली पसंद बन गया है।

एमपी में रोज हो रहे हैं 20 रेप

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पटवारी ने लगाया आरोप

» बोले- हर विभाग में ट्रांसफर पोस्टिंग माफिया सक्रिय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मप्र कांग्रेस चीफ जीतू पटवारी ने प्रदेश में बढ़ते अपराध और बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर सरकार पर निशाना साधा है। भोपाल में आयोजित प्रेसवार्ता में कहा कि प्रदेश में हर दिन 20-22 बहनों के साथ रेप केस होते हैं। 1 जनवरी 2024 से 20 जून 2025 तक 10840 रेप के मामले सामने आए हैं। हर दिन दो मासूम बच्चियां दुष्कर्म का शिकार हो रही हैं। एससी, एसटी बच्चियां और महिलाएं पीड़ितिएं हैं और इसके पीछे कोई न कोई बीजेपी के कार्यकर्ता और नेता होता है। नशा, ड्रग्स के भोपाल में इस साल 4-5 केस हुए, उनमें बड़े-बड़े लोगों के नाम आए और सब बीजेपी नेताओं के साथ खड़े दिखे हैं।

पटवारी ने प्रशासनिक स्तर पर भ्रष्टाचार, अपराध नियंत्रण में विफलता और राजनीतिक संरक्षण के आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा सरकार जनहित में नहीं बल्कि दलाली और सौदेबाजी की राजनीति कर रही है। उन्होंने महिला अपराध को कहा कि विधान सभा मानसून सत्र में किए गए प्रश्न का सीएम ने लिखित में जवाब दिया है। जीतू ने सवाल उठाया कि ऐसे में ये अफसर कैसे विभाग को समझेंगे और कैसे काम करेंगे। उमाकांत का 5-5 बार ट्रांसफर किया जा चुका है। बाकी कई अधिकारियों के 4-4 बार तबादले किए गए हैं। इस तरह कानून व्यवस्था नहीं बिगड़ेगी तो और क्या होगा? आईपीएस 305 हैं, 38 आईपीएस प्रतिनियुक्ति पर हैं। शेष 259 में से 213 के एक से अधिक बार तबादले किए गए हैं। तो मेरा सवाल है कि आप कानून व्यवस्था सुधारना चाहते हो या बिगाड़ना चाहते हो, समझ से परे है।

ड्रग्स कारोबार को शह दे रहे मंत्री और सरकार?

उन्होंने कहा कि भोपाल में एक परिवार का मकान तोड़ने की कार्रवाई की गई (शारिक मछली पर हुई कार्रवाई), सब बीजेपी नेताओं के साथ दिखते रहे हैं। उन्होंने सवाल पूछा कि क्या मंत्री और सरकार ड्रग्स के इस कारोबार को शह दे रहे हैं? शराब कारोबार देखा जाए तो शिवराज जी के कार्यकाल से आपके दो साल का शराब कारोबार देखा जाए तो, डेढ़ गुना ज्यादा कारोबार आपकी सरकार में है। उन्होने कहा कि इसका क्या मैसेज है, क्या आपने प्रदेश को शराबयुक्त कर दिया। इसी का नतीजा है कि प्रदेश में कानून व्यवस्था धराशायी है।

राज्य ट्रांसफर फैक्ट्री चला रहा

जीतू पटवारी ने कहा कि यहां ट्रांसफर फैक्ट्री चलाई जा रही है। पटवारी ने कहा कि आपके पास 377 आईएएस हैं, 42 प्रतिनियुक्ति पर हैं, अब बचे 335 में से 200 ऑफिसर्स के तबादले बार-बार हो रहे हैं। सीबी चक्रवती, संजय शुक्ला जैसे अफसरों के तबादले 6-6 बार किए जा रहे हैं। यानी हर दो से तीन महीने में उनका विभाग बदला जा रहा है। जीतू पटवारी ने दावा किया है कि प्रदेश के हर विभाग में ट्रांसफर पोस्टिंग माफिया सक्रिय है। पैसा दो और पोस्टिंग लो, वाली व्यवस्था ने ईमानदार अफसरों को किनारे कर दिया है। उन्होंने मांग की है कि सरकार इस पर श्वेतपत्र जारी करे और सीबीआई जांच कराए।

कानून व्यवस्था पूरी तरह नाकाम

इस वक्त अंबेडकर की जगह गोडसे का संविधान चल रहा है: महबूबा मुफ्ती

» मालेगांव ब्लास्ट मामले में आरोपियों के बरी होने पर पीडीपी नेता को आपत्ति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। मालेगांव ब्लास्ट केस में कोर्ट के फैसले पर जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने कहा कि जिस औरत ने महात्मा गांधी की तस्वीर को गोलियां मारी, जिसने कहा कि गोडसे मेरा गुरु है, उसके लिए बीजेपी के लोग पटाखे छोड़ रहे हैं और लड्डू बांट रहे हैं। जम्मू कश्मीर की पूर्व सीएम ने कहा कि इस वक्त अंबेडकर की जगह गोडसे का संविधान चल रहा है। ये लोग अंबेडकर के संविधान को खत्म कर रहे हैं और गोडसे का कानून चल रहा है। इस वक्त मुल्क में जो रहा है वो गोडसे की विचारधारा के हिसाब से हो रहा है। दुर्भाग्य से बीजेपी जिस तरह से जश्न मना रही है, ऐसे में आप क्या कह सकते हैं। कहीं रूल ऑफ लॉ नहीं है।

इस मामले में एटीएस ने साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर, लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित, रिटायर्ड मेजर रमेश उपाध्याय, समीर कुलकर्णी, अजय राहिरकर, सुधाकर चतुर्वेदी और सुधाकर धर द्विवेदी सहित 11 लोगों को गिरफ्तार किया आरोप था कि यह एक सुनियोजित आतंकवादी साजिश थी, जिसमें अभिनव भारत जैसे दक्षिणपंथी समूह शामिल थे। एनआईए ने पाया कि एटीएस की जांच में खामियां थीं और कई गवाह अपने बयानों से मुकर गए, जिससे मामला विवादास्पद हो गया।

नगर निगम जोन 6 में सफाई पर मिली वाहवाही

» धार्मिक आयोजनों के दौरान सफाई व्यवस्था पर जोनल अधिकारी को मिला प्रशंसा पत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। धार्मिक आयोजनों के दौरान उत्कृष्ट सफाई व्यवस्था के लिए नगर निगम जोन 6 के जोनल अधिकारी मनोज यादव को प्रशंसा पत्र मिला। लखनऊ के पुलिस उपायुक्त पश्चिमी विश्वजीत श्रीवास्तव ने जोनल अधिकारी मनोज यादव को यह सम्मान बकरीद, मोहर्रम और जगन्नाथ यात्रा जैसे बड़े धार्मिक आयोजनों में शानदार सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए दिया। उपायुक्त ने कहा कि पुराने लखनऊ जैसे संवेदनशील और भीड़भाड़ वाले क्षेत्र में सफाई के उच्च मानक स्थापित करना वास्तव में प्रशंसनीय उदाहरण है।

मनोज यादव ने लगातार फील्ड पर रहकर व्यक्तिगत रूप से निगरानी की,

जिसके चलते क्षेत्र में बार-बार आने वाली सफाई संबंधी शिकायतों पर भी रोक लगी और त्योहारों के दौरान साफ-सुथरा वातावरण बना रहा। उपायुक्त ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना भी की। इस मौके पर मनोज यादव ने कहा, यह मेहनत मेरी अकेले की नहीं है। इसमें सफाई मित्र और सफाई खाद्य निरीक्षकों सहित पूरी टीम ने दिन-रात मेरे साथ मिलकर काम किया है। मैं इस प्रशंसा पत्र मिलने पर अपने सभी सफाई मित्र और सहयोगियों का दिल से आभार व्यक्त करता हूं।

देश को आज कांग्रेस की जरूरत है: गहलोत

» पूर्व सीएम बोले- पार्टी में कोई मतभेद नहीं, पुरानी बातें भूलनी होंगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने एक बार फिर अपनी स्पष्टवादिता से चर्चा में आते हुए केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा देश को आज कांग्रेस की जरूरत है, तभी लोकतंत्र बचेगा। कांग्रेस में गुटबाजी के सवाल पर उन्होंने दो टूक कहा कि अब कोई दूरियां नहीं हैं, कोई मतभेद नहीं हैं। अगर आप गुटबाजी की बात करते हैं तो इसका दोष मैं मीडिया को दूंगा। बीकानेर में जब उनसे पूछा गया कि पोस्टरों में सचिन पायलट की तस्वीर नहीं है, तो गहलोत ने इस सवाल को हल्के में लेते हुए कहा कि ये छोटी बातें हैं।

कई बार मेरे भी पोस्टर नहीं लगते तो क्या फर्क पड़ता है? मैं इन फोटो के चक्करों में नहीं पड़ता। मानेसर प्रकरण

को लेकर गहलोत बोले- हर घटनाक्रम को याद रखेंगे तो आगे कैसे बढ़ेंगे? पुरानी बातें भूलनी होंगी। हमें कांग्रेस को मजबूत करना है। गौरतलब है कि मानेसर प्रकरण में कांग्रेस के कई विधायक बगावत के मूड में थे। गहलोत ने कहा कि देश में बढ़ता ध्रुवीकरण चिंताजनक है। उन्होंने गृह मंत्री अमित शाह पर सीधे हमला करते हुए पूछा- आप अचानक हिंदी को लेकर इतने आक्रामक क्यों हो गए? हिंदी हमारी मातृभाषा है, लेकिन आप इसे दक्षिण भारत के खिलाफ राजनीतिक हथियार क्यों बना रहे हो? उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा दक्षिण भारत में अपनी राजनीतिक पकड़ न होने के कारण वहां हिंदी का मुद्दा उछालकर ध्रुवीकरण की राजनीति कर रही है। उन्होंने कहा कि देश की विविध भाषाएं हमारी ताकत हैं, इन्हें बांटने की कोशिश खतरनाक है। अमित शाह जैसे वरिष्ठ नेता अगर ऐसे बयान दे रहे हैं, तो इसका मतलब साफ है कि यह एक सोची-समझी साजिश है।

मेनस्ट्रीम मीडिया का मौन खतरनाक

उन्होंने कहा कि मीडिया की निष्पक्षता खो चुकी है। आजादी के समय मीडिया, बुद्धिजीवी, उद्योगपति, सब देशहित में बोलते थे। आज सब चुप हैं। सोशल मीडिया से काम चलाया जा रहा है। मेनस्ट्रीम मीडिया का मौन खतरनाक है। गहलोत ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से एकजुट होने की अपील करते हुए कहा कि यह वक्त देश को बचाने का है, न कि आपसी मतभेदों को बढ़ाने का। उन्होंने दो टूक कहा- हम सबका फर्ज है कांग्रेस को मजबूत करना, तभी लोकतंत्र और संविधान को बचाया जा सकेगा।

करुण ने आठ साल बाद खेली 50+ रन की पारी

» अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लगातार 15वें मैच में टॉस हारा भारत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लंदन। भारतीय टीम में वापसी कर रहे करुण नायर ने अर्धशतक जड़ा, लेकिन धारदार गेंदबाजी से इंग्लैंड ने पांचवें और अंतिम क्रिकेट टेस्ट के वर्षा से प्रभावित पहले दिन मेहमान टीम का पहली पारी में स्कोर छह विकेट पर 204 रन करके अपना पलड़ा भारी रखा। एटकिंसन और टंग की उम्दा गेंदबाजी के सामने भारत ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए और गेंदबाजी की अनुकूल परिस्थितियों में नायर के अलावा उसका कोई अन्य बल्लेबाज टिककर नहीं खेल पाया।

बारिश के कारण पहले दिन 64 ओवर का ही खेल संभव हो पाया। यह करुण के टेस्ट करियर का दूसरा 50+ स्कोर है। इससे पहले उन्होंने दिसंबर 2016 में इंग्लैंड के खिलाफ ही नाबाद 303 रन की पारी खेली थी। इसके बाद उनकी यह पहली 50+ रन की पारी है। वहीं इंग्लैंड के कप्तान ओली पोप (बेन स्टोक्स की जगह कप्तानी कर रहे) ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया है। इसी के साथ गिल लगातार पांचवें टेस्च मैच में टॉस हार गए। शुभमन गिल ने मौजूदा टेस्ट सीरीज में अब तक सभी पांचों में टॉस गंवाए हैं। वहीं, भारतीय टीम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लगातार 15वें मैच में टॉस हार गई। वहीं ऐसा 14वीं बार हुआ है जब किसी टीम ने पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में सभी पांचों टॉस हारे हैं। 21वीं सदी में इससे पहले ऐसा केवल एक बार हुआ था, जब भारत ने 2018 में इंग्लैंड दौरे पर पांचों मैचों में टॉस हारे थे।

बतौर कप्तान गिल ने गावस्कर का 46 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा

द ओवल। भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल का शानदार प्रदर्शन जारी है। वह इंग्लैंड दौरे पर अच्छी फॉर्म में नजर आ रहे हैं और रिकॉर्ड्स की झड़ियां लगा रहे हैं। ऐसा ही कुछ गुरुवार को स्टार बल्लेबाज ने पांचवें टेस्ट मैच में किया। वह बतौर कप्तान एक सीरीज में सर्वाधिक रन बनाने वाले शीर्ष भारतीय बन गए। इस मामले में उन्होंने सुनील गावस्कर को पीछे छोड़ दिया। गावस्कर ने 1978-79 में वेस्टइंडीज के खिलाफ एक सीरीज में कप्तान रहते हुए 732 रन बनाए थे। अब गिल के नाम 733* रन दर्ज हो गए हैं। इस मामले में तीसरे स्थान पर विराट कोहली हैं, जिन्होंने 2016 में इंग्लैंड के खिलाफ खेली गई घरेलू सीरीज में 655 रन बनाए थे।

भारतीय अर्थव्यवस्था पर काल्पनिक दुनिया में है मोदी सरकार: कांग्रेस

डोनाल्ड ट्रंप व राहुल गांधी के डेड इकॉनमी वाले बयान पर मची रार

» सपा व आप ने किया समर्थन
भाजपा ने किया पलटवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। ट्रंप के भारतीय अर्थव्यवस्था को डेड बताने और उसके बाद नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का उनके बाद का समर्थन करने के बाद घमासान मचा हुआ है। बहुत से दलों ने ट्रंप व राहुल के हां में हां मिलाई है तो भाजपा ने निशाना साधा है। कांग्रेस ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि नरेन्द्र मोदी सरकार ने भारतीय अर्थव्यवस्था को पूरी तरह तबाह कर दिया है लेकिन वह अर्थव्यवस्था की स्थिति को लेकर काल्पनिक दुनिया में जी रही है।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह आरोप उस वक्त लगाया जब एक दिन पहले कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने दावा किया था कि अर्थव्यवस्था बर्बाद हो चुकी है। रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, '' पिछले एक दशक में, मोदी सरकार द्वारा दिए गए गए पांच झटकों ने भारतीय अर्थव्यवस्था को पूरी तरह से तबाह कर दिया है। इसके लिए किसी और को ज़िम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता।'उन्होंने कहा, नोटबंदी ने हमारी विकास गति को पूरी तरह से बाधित कर दिया और करोड़ों भारतीय नागरिकों की आजीविका को तबाह कर दिया। रमेश ने यह दावा भी किया, एक बुनियादी रूप से दोषपूर्ण जीएसटी ने देश भर के हज़ारों व्यावसायिक उद्यमों पर कहर बरपाया है, सिवाय उन बड़ी कंपनियों के जो जीएसटी अनुपालन से जुड़ी लागत वहन कर सकती हैं।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी के भारत को डेड इकोनॉमी बताने वाले बयान पर समाजवादी पार्टी के सांसद राम गोपाल यादव की प्रतिक्रिया सामने आई हैं। उन्होंने भी लोकसभा प्रतिपक्ष के बयान का समर्थन किया और कहा कि देश की अर्थव्यवस्था की हालत बहुत खराब है ये बात कौन नहीं जानता है।

चीन से रिकॉर्ड आयात से देश भर में लाखों एमएसएमई बंद

जयराम रमेश के मुताबिक, चीन से रिकॉर्ड आयात के कारण देश भर में लाखों एमएसएमई बंद हो गए हैं, अकेले गुजरात में स्टेनलेस स्टील उद्योग के लगभग एक तिहाई एमएसएमई ने अपना परिचालन बंद कर दिया है। उन्होंने कहा, निजी निवेश ने 2004-14 के दौरान दिखाई गई तेज़ी खो दी है।

दूसरे देशों की नागरिकता ले रहें हैं उद्योगपति

भारतीय उद्योगपति लगातार बढ़ रहे अनुपात में दूसरे देशों की नागरिकता ले रहे हैं। राजनीति से प्रेरित और जबरन वसूली करने वाले छापामार राज और मोदानी के बढ़ते प्रभाव ने भारतीय अर्थव्यवस्था में विश्वास को कम किया है। कांग्रेस नेता का कहना है, पिछले दशक में सभी क्षेत्रों और वर्गों में अधिकतर भारतीय नागरिकों की मज़दूरी स्थिर रही है। ग्रामीण भारत में यह विशेष रूप से सच है। घरेलू बचत में तेज़ी से गिरावट आई है, ठीक उसी तरह जैसे घरेलू कर्ज़ में भारी वृद्धि हुई है।

आर्थिक असमानता बढ़ रही है

रमेश ने दावा किया कि निजी उपभोग कमज़ोर पड़ रहा है, जबकि विलासिता की वस्तुओं की खपत में कोई कमी नहीं आई है, जो स्पष्ट रूप से बढ़ती आर्थिक असमानताओं की ओर इशारा करता है। उन्होंने कहा, मोदी सरकार और उसकी जयकारा मंडली एक काल्पनिक दुनिया में जी रहे हैं। वे अर्थव्यवस्था की वास्तविक स्थिति को स्वीकारने में कंजूसी बरत रहे हैं।

मोदी की गलत नीतियों की वजह से लाखों करोड़ रुपए डूब रहे हैं : संजय

आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने अमेरिका द्वारा भारत पर 25 फीसद टैरिफ लगाने और शेयर मार्केट के गिरने से भारतीय निवेशकों के लाखों करो? रुपए डूबने को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि मोदी जी का ट्रंप के प्रति प्यार खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है, जबकि ट्रंप बेवफा निकल गए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गलत नीतियों की वजह से लाखों करोड़ रुपए डूब रहे हैं। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी का ट्रंप के प्रति प्यार खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। उधर ट्रंप बेवफा निकल गए। अब ट्रम्प कह रहे हैं कि वे पाकिस्तान से प्यार करते हैं। ट्रम्प दबाव बना

रहे हैं कि भारत रूस से सस्ता तेल न खरीदे, जबकि रूस भारत का परंपरागत मित्र है। रूस ने यूएन में छह बार वीटो पावर का इस्तेमाल कर भारत का साथ दिया, युद्ध में सहायता की और सस्ता तेल उपलब्ध कराता है। अमेरिका ऐसे मित्र देश रूस से भारत को सस्ता तेल खरीदने के रोक रहा है।

भारतीय जनता पार्टी की तीखी प्रतिक्रिया

बीजेपी आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने उनके बयान की निंदा की और कहा कि राहुल गांधी ने ट्रंप की टिप्पणी को दोहराकर नीचता की नई हदें तक पहुंच चुके हैं। उनका बयान भारत की जनता की आकांक्षाओं और उपलब्धियों का बेहद शर्मनाक अपमान है।

अनिल अंबानी को ईडी ने दिये समन

» पांच अगस्त को पूछताछ के लिए तलब किया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रिलायंस ग्रुप के चेयरमैन अनिल अंबानी समूह की कंपनियों के खिलाफ दर्ज धनशोधन मामले में उन्हें पांच अगस्त को पूछताछ के लिए बुलाया है। आधिकारिक सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने कहा कि मामला दिल्ली में दर्ज होने की वजह से अंबानी (66) को दिल्ली स्थित ईडी मुख्यालय बुलाया गया है।

उन्होंने कहा कि एजेंसी अंबानी के पेश होने पर धनशोधन निवारण अधिनियम के तहत उनका बयान दर्ज करेगी।पिछले सप्ताह संघीय एजेंसी ने उनके व्यावसायिक समूह की कई कंपनियों और अधिकारियों के परिसरों पर छापे मारे थे। 24 जुलाई को शुरू हुई यह छापेमारी तीन दिन तक जारी रही थी। यह कार्रवाई अंबानी की कंपनियों द्वारा कथित वित्तीय अनियमितताओं और 10,000 करोड़ रुपये से ज्यादा के सामूहिक ऋण को किसी और काम में इस्तेमाल करने के मामले में की गई थी।

मुंबई में 35 से अधिक स्थान पर तलाशी ली गई, तथा ये परिसर 50 कंपनियों और 25 लोगों के थे, जिनमें अनिल अंबानी समूह की कंपनियों के कई अधिकारी भी शामिल थे। ईडी के सूत्रों ने कहा था कि जांच मुख्य रूप से 2017-2019 के बीच अंबानी की कंपनियों को यस बैंक से मिले लगभग 3,000 करोड़ रुपये के ऋण को किसी और काम में इस्तेमाल करने के आरोपों से संबंधित है।

संसद में फिर हंगामा, विपक्ष का प्रहार

लोकसभा की कार्यवाही स्थगित, विपक्षी नेताओं ने की एसआईआर पर चर्चा की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मानसून सत्र का दसवां दिन भी हंगामें की भेंट चढ़ गया। शुक्रवार को भी कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी सांसद एसआईआर के मुद्दे पर नारेबाजी करने लगे। वे सदन में इस विषय पर चर्चा की मांग कर रहे हैं। उनके हंगामे के कारण बैठक कुछ ही मिनट में दोपहर दो बजे तक स्थगित कर दी गई और प्रश्नकाल नहीं चल सका।

बैठक स्थगित करने की घोषणा से पहले अध्यक्ष बिरला ने नारेबाजी कर रहे सदस्यों से आग्रह किया, ''सदन की गरिमा को बनाकर रखिए। प्रश्नकाल बहुत महत्वपूर्ण समय होता है। आप नारेबाजी और तख्तियों से अन्य सदस्यों का अधिकार नहीं छीन सकते। यह गलत तरीका, गलत आचरण और गलत व्यवहार है।मानसून सत्र की शुरुआत 21 जुलाई को हुई थी और आज सदन की कार्यवाही का 10वां दिन है। सदन में इस दौरान केवल दो दिन, मंगलवार और बुधवार को प्रश्नकाल निर्बाध तरीके से पूरा चला। सदन में ऑपरेशन सिंदूर पर विशेष चर्चा और मणिपुर में राष्ट्रपति शासन बढ़ाने संबंधी सांविधिक संकल्प को मंजूरी के अलावा अन्य कोई महत्वपूर्ण विधायी कामकाज नहीं हो सका।

कांग्रेस, डीएमके, सपा, टीएमसी, एनसीपी, शिवसेना (यूबीटी), आरजेडी, आरएसपी ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर बिहार में मतदाता सूची के पुनरीक्षण पर चर्चा की मांग की। शुक्रवार को लोकसभा की कार्यवाही हंगामे के साथ शुरू हुई क्योंकि विपक्ष ने बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूचियों के चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी।

इंडिया गठबंधन के सांसदों का प्रदर्शन जारी

इससे पहले, इंडिया गठबंधन के सांसदों ने संसद में मकर द्वार के सामने विरोध प्रदर्शन किया और मतदाता सूचियों के एसआईआर पर दोनों सदनों में चर्चा की मांग की। गुरुवार को, इंडिया ब्लॉक के दलों ने अपनी बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि वे संसद के अंदर और बाहर चल रहे एसआईआर के खिलाफ अपने विरोध को तेज करेंगे।

जनता ने इतना बड़ा अवसर दिया है, नारेबाजी और तख्तियों से मत गंवाओ : ओम बिरला

विपक्षी दलों के सदस्यों को नसीहत देते हुए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शुक्रवार को कहा कि जनता ने आपको इतना बड़ा अवसर दिया है, इसे नारेबाजी करके और तख्तियां दिखाकर मत गंवाइए। उन्होंने कहा, ''आप नारेबाजी करके, तख्तियां लहरा कर जनता की अभिव्यक्ति नहीं कर रहे। जनता ने आपको जो इतना बड़ा अवसर दिया है, उसे नारेबाजी और तख्तियों से मत गंवाओ।''बिरला ने कुछ नेताओं की ओर इशारा करते हुए कहा कि इतने वरिष्ठ सदस्य होने के नाते यह तरीका उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर लोकतंत्र को मजबूत करना है तो सदस्यों को प्रश्न उठाने देने होंगे जिस पर सरकार की जवाबदेही तय होगी।बिरला ने प्रदर्शन कर रहे सांसदों से कहा, ''मेरा रोज आपसे आग्रह रहता है कि सदन की कार्यवाही को चलने दें।

असंवेदनशील है सरकार गरीबों से दस्तावेज मांग रही है : गोगोई

बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया पर कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा कि यह असंवेदनशील है कि वे गरीबों से दस्तावेज मांग रहे हैं ताकि उनके नाम मतदाता सूची में आ सकें। विशेष रूप से बुजुर्गों को अपने पुराने दस्तावेज खोजने में समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। कुछ लोग इस प्रक्रिया में रिश्वत भी ले रहे हैं। जब हम इस मुद्दे को उठाने की कोशिश करते हैं, तो हमें अस्पष्ट कारण बताए जाते हैं कि सरकार इस पर चर्चा की अनुमति क्यों नहीं दे सकती। इंडिया ब्लॉक पार्टियों ने एसआईआर में समस्याओं का सामना करने वाले सभी लोगों की ओर से अध्यक्ष को एक संयुक्त पत्र सौंपा है।

मतदाता जागरूकता अभियान से हटाए गए क्रिकेटर रिंकू सिंह

» सांसद प्रिया सरोज से सगाई के बाद आयोग ने लिया फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भारतीय क्रिकेटर रिंकू सिंह को चुनाव आयोग ने मतदाता जागरूकता अभियान से हटा दिया है। हाल ही में सपा सांसद प्रिया सरोज से सगाई के बाद यह फैसला लिया गया। आयोग की तरफ से सभी प्रचार सामग्री से क्रिकेटर की फोटो हटाने के आदेश दिए गए हैं। इससे उनके फैंस को निराशा हाथ लगी है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय के मुताबिक, रिंकू सिंह हमारे प्रदेश के आइकन हैं। इसलिए उन्हें मतदाता जागरूकता अभियान से जोड़ा गया था। लेकिन, जब कोई भी व्यक्ति किसी भी तरह से किसी राजनीतिक पार्टी से जुड़ जाता है, या फिर शंका होती है कि वह किसी तरह चुनाव से जुड़ सकता है, तो ऐसे में उसे जागरूकता अभियान से नहीं जोड़ा जा सकता है। इससे उनके निजी हित टकरा सकते हैं।

भारतीय क्रिकेटर रिंकू सिंह।

पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना घरेलू कामगार से बलात्कार के मामले में दोषी करार

बेंगलुरु। जेडीएस के के निष्कासित नेता और पूर्व लोकसभा सांसद प्रज्वल रेवन्ना को हसन जिले के होलेनरसीपुरा स्थित एक फार्महाउस में घरेलू कामगार से बलात्कार के मामले में बेंगलुरु स्थित जनप्रतिनिधियों की विशेष अदालत ने दोषी ठहराया है। बता दें कि कोर्ट ने जैस ही पूर्व हासन सांसद प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ फैसला सुनाया तो वह कोर्ट में ही भावुक हो गया। उसके आंखों से आंसू निकलने लगा और फूट-फूटकर रोने लगा। यह फैसला एफआईआर दर्ज होने के मह्ज 14 महीने बाद सुनाया गया है।

भारत समेत सभी देशों पर टला ट्रंप का टैरिफ वार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल में भारत पर 25 प्रतिशत रेसिप्रोकल टैरिफ लगाने का एलान किया है। वहीं, राष्ट्रपति ट्रंप ने दर्जनों देशों पर 10 प्रतिशत से लेकर 41 प्रतिशत तक के नए रेसिप्रोकल टैरिफ लगाने के आदेश पर हस्ताक्षर कर दिया है।

हालांकि, उन्होंने पाकिस्तान पर खास प्रेम दिखाया है। टैरिफ लगाने की अंतिम तिथि 1 अगस्त थी, लेकिन नए शुल्क 7 अगस्त से लागू होंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति के इस एलान के बाद भारत पर भी इसका गहरा असर देखने को मिल सकता है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।